Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 198
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-रविवार,16 नवम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

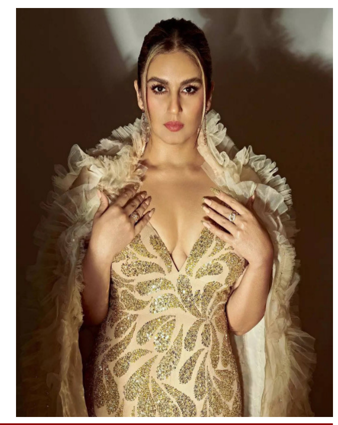

3 लुलु मॉल ने आयोजित किया डॉल्स ऑफ इंडिया
4 नैरेटिव का विकल्प खोजे बिना कैसे हो उद्धार
5 मुझे ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, दिल्ली

गुजरात के दौरे पर पीएम , अंत्रोली में बन रहे बुलेट ट्रेन स्टेशन का किया दौरा

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा के लिए गुजरात के सूरत में निमार्णाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। प्रधानमंत्री सुबह सूरत हवाई अड्डे पर उतरे और अंत्रोली क्षेत्र पहुंचे, जहां बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत की और कार्यों की समीक्षा की। एमएए चएसआर भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लगभग 508 किलोमीटर लंबा है। इसमें 352 किलोमीटर हिस्सा गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में तथा 156 किलोमीटर हिस्सा महाराष्ट्र में आता है। बाद में प्रधानमंत्री मोदी आदिवासी बहुल नर्मदा जिले के डेडियापाडा शहर का दौरा करेंगे जहां वह आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर एक सभा को संबोधित करेंगे। वह 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। सभा को संबोधित करने से पहले प्रधानमंत्री डेडियापाडा से 23 किलोमीटर दूर सागबारा तालुका के देवमोगरा गांव में आदिवासी समुदाय की कुल देवी पंडोरी माता के मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले की अपनी यात्रा के दौरान प्रसिद्ध याहामोगी देवमोगरा धाम में पांडोरी माता के दर्शन किये। श्री मोदी ने देवमोगरा धाम मंदिर में पांडोरी माताजी के दर्शन, विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की। इससे पहले सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने लोकनृत्य के माध्यम से हाथों में तिरंगा लिए उनका भव्य स्वागत किया। सतपुड़ा पर्वतमाला में प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह मनमोहक धाम आदिवासी समाज के लोगों की आस्था का केन्द्र है, जिसकी महिमा अनूठी है।

लिटरेचर फेस्टिवल का दूसरा दिन; धामी ने किया 'लीडिंग लेडीज' पुस्तक का विमोचन

देहरादून (एजेंसी)। डीडीएल एफ एक ऐसा मंच बन चुका है जो संवाद, सहानुभूति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित दून लिटरेचर फेस्टिवल का आज दूसरा दिन है। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी आज कार्यक्रम में पहुंचे। सीएम ने लेखक आग्रहरी ढींगरा की पुस्तक लीडिंग लेडीज का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता में भी साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लीडिंग लेडीज ऑफ इण्डिया पुस्तक पाठकों विशेष रूप से महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। यहां की संस्कृति और परंपराओं को संजोये रखने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

रोहिणी आचार्य के राजनीति छोड़ने के फैसले से आरजेडी में मची खलखली

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन की हार के बाद आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से रिश्ता तोड़ने का ऐलान कर दिया, जिसके बाद राजद समर्थकों में हलचल तेज हो गई। रोहिणी ने तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं अब रोहिणी के बयान से संजय यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया है कि संजय यादव और उनके सहयोगी रमीज ने उन पर राजनीति और परिवार से दूर होने का दबाव बनाया। रोहिणी आचार्य ने कहा, मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूं। रोहिणी का यह कदम पार्टी के भीतर बड़े राजनीतिक तूफान की शुरूआत माना जा रहा है। संजय यादव लंबे समय से तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद रणनीतिकार माने जाते हैं और पार्टी की चुनावी दिशा तय करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है।

स्टालिन ने निर्णायक जीत के लिए नीतीश कुमार की सराहना की, निर्वाचन आयोग की निंदा की

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार को उनकी निर्णायक जीत के लिए शनिवार को बधाई दी। स्टालिन ने साथ ही निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि इस चुनाव के नतीजे उसके कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता तेजस्वी यादव की उनके अथक प्रचार अभियान के लिए सराहना की। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बिहार चुनाव परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव परिणाम कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक एवं वैचारिक गठबंधन, स्पष्ट राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के नेता अनुभवी हैं जो संदेश को समझने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा, इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग के कुकृत्यों और लापरवाह कार्यों को नहीं छिपा सकते।

यूपी में भी दोहराया जाएगा बिहार का परिणाम-राजनाथ

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिन के दौरे पर लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।लखनऊ में शनिवार को पहले कार्यक्रम में राजनाथ सिंह सदर बाजार के संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय पहुंचे और वरिष्ठ कार्यकर्ता संवाद में उन्होंने बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत के साथ भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव के परिणाम से भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा, मैने वायरल फीवर में भी बिहार में जनसभा की थी और मालदीव गया था। कार्यकताओं के पसीने से बिहार की जीत हासिल हुई है। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए जनधन खाता खुलवाया, जिससे की लाभार्थी के खाते में सीधा धन जमा हो सके। जमधन खाता खोलने के लिए हुई बैठक में मैं भी बैंक अधिकारियों के साथ था, हमने पूछा

इससे क्या लाभ होगा। पहले जो सहायता सरकार देती थी, उसमें से 100 में से 40 या 50 पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। आज सौ पैसा चलता है तो वो पूरा पहुंचता है, लेकिन बैंक कर्मियों ने कहा कि खाता खुलने से धन पहुंचने के साथ ही बचेगा भी। भ्रष्टाचार भाषण से समाप्त नहीं होता व्यवस्था में बदलाव करके होता है। भारत में यूपीआई का लेनदेन विश्व में सबसे ज्यादा है। इसके उपयोग से विश्व में भ्रष्टाचार कम हुआ है। लखनऊ में दस वर्ष में काफी परिवर्तन दिख रहा है। ईमानदारी से काम किया जाए तो परिवर्तन किया जा सकता है। भारत को विकसित बनाने का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी कम होने से लाभ हुआ है। राजनाथ सिंह ने लोगों से पूछा कि वस्तु कम हुई है या नहीं। लोगों ने कहा कि वस्तु की कीमत कम हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा लोगों के पास पैसा आयेगा तो वह बाजार में तेजी से चलेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में बने मिसाइल और हथियार खरीदने की पूरी दुनिया में होड़ लगी है। हमारा मामला भी ठीक हुआ है। जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में करिश्मा किया वो हमारे लखनऊ में बनी है। हम राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, देश बनाने के लिए करते है। बहुत सी पार्टियां जाति, क्षेत्र और मजहब की बात करती हैं, लेकिन भाजपा ने सदैव देशभक्ति की बात की। भाजपा की नीति स्पष्ट है, हम राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, देश बनाने के लिए करते हैं। हमारे कामकाज का तरीका दूसरी पार्टी से भिन्न है। इसी कारण हम लोग कहते भी हैं, पार्टी विद डिफरेंस।सिस्टम में बदलाव लाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया। देश की सारी पार्टियां भ्रष्टाचार रोकने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा सही मायने में भ्रष्टाचार को रोकती है। हमारी सरकार ने पहली बार सिस्टम में बदलाव लाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है।

भोपाल में क्षत्रिय करणी सेना का प्रदर्शन,पुलिस ने सीएम हाउस जाने से रोका

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में करणी सेना अपनी 15 मांगों को लेकर खुशीलाल ग्राउंड में विशाल क्षत्रिय क्रांति सम्मेलन का आयोजन कर रही है। सम्मेलन में करणी सेना परिवार से जुड़े हजारों लोग शामिल हुए। करणी सेना पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि उनकी मांगों को सुनने के लिए दोपहर 2 बजे तक सीएम ऑफिस से कोई अधिकारी पहुंचे। लेकिन शाम 3 बजे तक कोई अधिकारी नहीं आने पर कार्यकताओं ने सीएम हाउस की ओर कूच कर दिया। सम्मेलन के दौरान

संभावित विवाद को देखते हुए पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की है। जैसे ही करणी सेना के कार्यकर्ता मैदान से सीएम हाउस की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें कुछ दूरी पर ही रोक लिया। इसके बाद कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। उनकी मांग है कि ज्ञापन वे पुलिस को नहीं, बल्कि सीएम ऑफिस के किसी अधिकारी को ही सौंपेंगे। इस दौरान करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने कहा हमने सीएम ऑफिस को दोपहर 2 बजे तक किसी अधिकारी को भेजने का अल्टीमेटम दिया था, नहीं तो हम सीएम हाउस कूच करेंगे। उसी क्रम में हम अब ज्ञापन देने सीएम हाउस की ओर जा रहे हैं। यह आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है।

नौगाम विस्फोट: विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम में हुए आकस्मिक विस्फोट की जांच के आदेश दिए हैं। श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए दुखद आकस्मिक विस्फोट में हुई कई लोगों की मौत पर दुःख व्यक्त करते हुए उप-राज्यपाल सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए अत्यंत दुखद आकस्मिक विस्फोट में बहुमूल्य जानें जाने से मुझे गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने पोस्ट किया, ष्शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

मुजफ्फरपुर में दर्दनाक हादसा, मकान में आग लगने से एक ही परिवार के पांच जिंदा जले, 5 की हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक मकान में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मृतकों में ललन शाह, उनकी मां, पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। पांच घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सुचित्रा कुमारी ने पत्रकारों से कहा, यह घटना मोतीपुर इलाके के वार्ड संख्या 13 में मध्यरात्रि के आसपास हुई। आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी जिसने इमारत की

तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त लोग सो रहे थे। उन्होंने आगे कहा, दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए... शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।शुरूआत में स्थानीय लोग आग की लपटें उठते देखकर और तेज चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे लेकिन ज्यादा कुछ नहीं कर पाए। उन्होंने अग्निशमन नियंत्रण कक्ष और स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि आग थर्ड फ्लोर में लगी थी और मामले की जांच जारी है। लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी, हालांकि सिलेंडर ब्लास्ट की बात गलत पाई गई है। मोतीपुर नगर परिषद के सभापति ने भी यही आशंका जताई और बताया कि एफएसएल टीम जांच कर रही है कि आखिर आग कैसे लगी। वहीं पड़ोस में रहने वाले छोटे लाल गुप्ता ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से घर में आग लगी। परिवार के दूसरे सदस्य जो झुलसे हैं, वो दूसरे कमरे में सो रहे थे। 4 घायलों को मुजफ्फरपुर लाया गया है. 5 की मौत हुई है।

रेलवे बोर्ड ने रेलगाड़ियों के कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन और निपटान के लिए क्षेत्रीय रेलों को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए

नईदिल्ली : रेलवे बोर्ड ने सभी क्षेत्रीय रेलों को यात्रा के दौरान ट्रेनों से निकलने वाले कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन और निपटान के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना और यात्रियों के लिए एक यात्रा का सुखद अनुभव सुनिश्चित करना है। इन निर्देशों में एक ऐसी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया है जिसके तहत ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा (ओबीएचएस) और पेंट्री कार के कर्मचारियों को यात्री डिब्बों से कचरा एकत्र करने और मार्ग में निर्दिष्ट स्टेशनों पर सीलबंद थैलों में उसका निपटान करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रणाली ट्रेन के अंदरूनी हिस्सों और रेलवे के बुनियादी ढांचे, दोनों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए तैयार की गई है। नए आदेश का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को आरामदायक और सुविधाओं से भरपूर यात्रा प्रदान करने में ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की भूमिका सुनिश्चित करना है। डिब्बों और शौचालयों में स्वच्छ और कचरा-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करके, ये कर्मचारी यात्रियों के आराम और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि इन अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, जो अधिकतर संविदा पर हैं, को क्षेत्रीय रेलवे द्वारा पर्याप्त प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किए जाने चाहिए ताकि वे सेवा भावना को दशार्ते हुए इन जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभा सकें। इन प्रोटोकॉल का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने संबंधित ऑन-बोर्ड कर्मचारियों के साथ तत्काल और व्यापक 'संवाद' कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है। यह जागरूकता कार्यक्रम सभी क्षेत्रीय रेलों के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और वाणिज्यिक एवं यांत्रिक विभागों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कर्मचारियों से सीधे जुड़ना, स्वच्छ भारत मिशन में उनकी भूमिका के महत्व को समझाना और उनके सामने आने वाली किसी भी परिचालन संबंधी बाधाओं को समझना है। 'संवाद' सत्रों में निदेर्शात्मक वीडियो दिखाए जाएंगे ताकि ट्रेन में सवार कर्मचारियों को कचरा प्रबंधन की प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने में मदद मिल सके और साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत ट्रेनों और स्टेशनों को साफ-सुथरा रखने की उनकी जिम्मेदारी पर जोर दिया जा सके। कर्मचारियों को कचरा और खानपान संबंधी कचरे के प्रबंधन के लिए जारी निदेर्शों के साथ-साथ प्रत्येक ट्रेन के लिए निर्धारित स्टेशनों पर निपटान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। इन सत्रों में ओबीएचएस और पेंट्री कर्मचारियों के सक्रिय और जिम्मेदाराना व्यवहार की जरूरत पर जोर दिया जाएगा, साथ ही अपशिष्ट निपटान के दौरान उनके सामने आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को भी स्वीकार किया जाएगा। मंडलों को क्षेत्रीय स्तर पर प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) और प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (पीसीएमई) के साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करनी होगी। इसके बाद पीसीसीएम इस अभ्यास के पूरा होने के 10 दिनों के भीतर रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक, पर्यटन एवं खानपान कार्यालय को एक समेकित रिपोर्ट संकलित करके प्रस्तुत करेंगे। व्यापक स्तर के इस अभ्यास को एक महीने के भीतर पूरा करना है, जिससे सभी ट्रेनों को कवर किया जा सके। इसके बाद, मंडलों से प्राप्त फीडबैक को क्षेत्रीय स्तर पर संकलित किया जाएगा और समीक्षा के लिए रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत किया जाएगा। बोर्ड के पत्र में एक सख्त अनुपालन व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला गया है। ओबीएचएस और पेंट्री कार सेवाओं के लाइसेंसधारियों को इन दिशानिर्देशों के बारे में औपचारिक रूप से परामर्श दिया जाएगा। किसी भी उल्लंघन को अनुबंध का एक बड़ा उल्लंघन माना जाएगा और दोषी पक्षों के खिलाफ अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही शुरू की जाएगी। यह पहल जुलाई 2024 में जारी पूर्व निदेर्शों पर आधारित है, जिसमें अनिवार्य मार्ग-निर्धारण प्रणाली की रूपरेखा तैयार की गई थी। इस प्रणाली में कचरा उत्पादन का आकलन करने के लिए अध्ययन करना, निर्दिष्ट स्टेशनों पर निपटाने के लिए कचरे के थैलों की न्यूनतम संख्या निर्धारित करना और प्रभावी निगरानी के लिए इस डेटा को एक केंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली (सीआरआईएस की सीएमएम प्रणाली) में दर्ज करना शामिल था। 'संवाद' के माध्यम से सख्त प्रक्रियात्मक अनुपालन को मानवीय दृष्टिकोण के साथ जोड़कर, भारतीय रेलवे ऑन-बोर्ड आतिथ्य, स्वच्छता और समग्र यात्री यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

मेजा ऊर्जा निगम ने भ्रष्टाचार के आरोपों को दबाने के लिए किया प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम में पिछले कुछ दिनों से भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित हो रही थीं। इन विवादों और पत्रकारों में बढ़ती नाराजगी को देखते हुए निगम ने शनिवार, 15 नवंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। सूत्रों के अनुसार, कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य पत्रकारों को शांत करना और विवादित मुद्दों को दबाने की कोशिश करना था। बताया जाता है कि जैसे ही प्रेस वार्ता शुरू हुई, कुछ पत्रकार नाराजगी जताते हुए कॉन्फ्रेंस छोड़कर बाहर चले गए। उपस्थित पत्रकारों के सामने ऊर्जा निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी उपलब्धियों और कार्यों की सराहना करते हुए दिखाई दिए, जिसे कई पत्रकारों ने वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास बताया। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि अधिकारियों द्वारा अपनी उपलब्धियों की चर्चा करने पर पत्रकारों ने मन ही मन विभाग की खूब खिंचाई भी की।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर मल्यार्पण करते हुए प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुर,: धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वी जयंती 15 नवम्बर, 2025 को प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सभाकक्ष एवं

एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्डरी स्कूल, गोरखपुर में हर्षोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे श्री मनोज कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने समाज और देश के लिए भगवान बिरसा मुंडा के योगदान पर प्रकाश डाला। एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्डरी स्कूल, गोरखपुर में मनाये गये भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बीर जी श्रीवास्तव एवं शिक्षक/शिक्षकाओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं गीत प्रस्तुत की तथा अध्यापकों ने भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य डॉ. बीर जी श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारतीय आदिवासी समाज के लोकनायक थे। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में वे एक महान व्यक्ति थे। भारत के अदिवासी समाज इन्हे भगवान मानते है, उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। 16 नवम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं।

-16 नवम्बर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी।

-16 नवम्बर, 2025 को 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 07.35 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, वाराणसी जं., सूबेदारगंज, गोविन्दपुरी होते हुये चलाई जायेगी।

-16 नवम्बर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-16 नवम्बर, 2025 को 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी बहराइच से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बढ़नी, आनन्दनगर होते हुये चलाई जायेगी।

-16 नवम्बर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-16 नवम्बर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर मसरख, खैरा होते हुये चलाई जायेगी।

198.37 करोड़ से बनेगा मकड़ीखेड़ा नाला लाखों लोगों को मिलेगी जलभराव से राहत

कानपुर। विधायक नीलिमा कटियार ने बताया कि उन्होंने याचिका समिति में यह मामला

उठाया था। नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मिलकर नगरीय आपदा राहत कोष से इस नाले के लिए धन स्वीकृत करने का आग्रह किया। कानपुर में मकड़ीखेड़ा नाला 198.37 करोड़ से बनेगा। नगर विकास मंत्री ने नगरीय आपदा राहत कोष से इन नाले के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। नाला बनने से गुप्ता कॉलोनी सहित आसपास के मोहल्लों के लाखों लोगों को जलभराव से निजात मिलेगी। विधायक नीलिमा कटियार ने यह दावा किया। कल्याणपुर -सिंहपुर रोड स्थित नवशील धाम, मकड़ीखेड़ा, गुप्ता सोसाइटी सहित आसपास के विभिन्न मोहल्लों में बरसात में घरों तक में जलभराव होता है। महीनों सड़कों से लेकर घरों तक में पानी भरने से न सिर्फ आवागमन प्रभावित होता है, बल्कि गृहस्थी का सामान तक खराब हो जाता है। आईआईटी, कल्याणपुर, आवास-विकास, विश्वविद्यालय, इंद्रानगर सहित विभिन्न मोहल्लों का गंदा पानी भी मकड़ीखेड़ा, गुप्ता सोसाइटी में भरने से कई महीने स्थिति नारकीय रहती। निर्माण की अनुमानित लागत 198.37 करोड़ रुपये इसके मद्देनजर नगर निगम ने आठ महीने पहले नवशील धाम से सिंहपुर तिराहा होते हुए मकड़ीखेड़ा, जागेश्वर मंदिर के पास तक आरसीसी नाला निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया था। शासन से सैद्धांतिक सहमति के बाद नगर निगम ने जल निगम की निर्माण इकाई सी एंड डीएस से इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई है। निर्माण की अनुमानित लागत 198.37 करोड़ रुपये है। नाला निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत छह महीने पहले डीपीआर शासन को भेजी गई थी। विधायक नीलिमा कटियार ने बताया कि उन्होंने याचिका समिति में यह मामला उठाया था। नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मिलकर नगरीय आपदा राहत कोष से इस नाले के लिए धन स्वीकृत करने का आग्रह किया। विधायक ने दावा किया कि नगर विकास मंत्री ने मकड़ीखेड़ा नाला निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत कर दिया है।

दिनेश शर्मा ने विपक्ष पर हमला बोला

कानपुर। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा शनिवार को कानपुर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव परिणामों के बाद विपक्ष अभी भी हार के कारण तलाशने में व्यस्त है, जबकि शिकायत दर्ज कराने के कई अवसर उनके पास पहले से मौजूद थे। राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कहा कि राहुल व्यक्तिगत रूप से ह्लअच्छे इंसानह्व हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति के लिए जरूरी गुण अभी भी उनमें दिखाई नहीं देते। उनके अनुसार, राहुल के

पास अब केवल ह्लपारिवारिक दायरे में आगे बढ़ने की गुंजाइशह्व बची है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मतदान हो चुका, नतीजे भी सामने आ चुके, लेकिन विपक्ष की शिकायतों का ह्लजिन्नह्व अभी तक शांत होने का नाम नहीं ले रहा। शर्मा ने कहा कि कभी पीडीए का जिन्न जागता है, तो कभी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाते हैं। सांसद ने दावा किया कि संविधान की किताब लेकर घूमकर भ्रम फैलाने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है और यही फैसला देश की राजनीतिक दिशा तय करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए ने बिहार में ह्लदोहरा शतकह्व लगाया है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी लगातार जमीन खोते जा रहे हैं।

आईआईटी गेट क्रासिंग के पास रेलवे लाइन पर गिरा विशाल पेड़

कानपुर। मंधना-अनवरगंज रेलवे लाइन पर शनिवार तड़के 3:40 बजे आईआईटी क्रासिंग के पास एक विशाल पीपल का पेड़ गिरने से ओएचई लाइन प्रभावित हुई है। इससे रेल रूट पांच घंटे से बाधित है और तकनीकी टीम पेड़ को हटाकर ट्रेनों का संचालन शुरू करने में जुटी है। कानपुर में मंधना-अनवरगंज रेलवे लाइन पर शनिवार तड़के पीपल का पेड़ गिरने से पांच घंटे से रूट बाधित है। यह पेड़ सुबह 3:40 बजे आईआईटी क्रासिंग के नजदीक गिरा है। रेलवे की ओर से पेड़ को कटवाकर हटाने का कार्य जारी है। इस दौरान मंधना और रावतपुर की ओर से आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन बंद है। इजजतनगर मंडल की तकनीकी टीम भी आ गई है। पेड़ के गिरने से ओएचई भी प्रभावित हुई है।

धू-धू कर जला कंटेनर, चालक और खलासी ने कूदकर बचाई जान

भदोही। वाराणसी-प्रयागराज सिक्सलेन पर बाबूसराय बाजार में शनिवार को अचानक कंटेनर के केबिन में चिंगारी उठने के बाद आग लग गई। इस बीच चालक और खलासी ने कूदकर जान बचाई। वाराणसी-

प्रयागराज सिक्सलेन के बाबूसराय बाजार में शनिवार को शॉर्ट सर्किट से एक कंटेनर में आग लग गई। देखते ही देखते पूरा कंटेनर धू-धूकर जल गया। इससे क्षेत्र में खलबली मच गई। चालक जयकरण और खलासी शिवकरण निवासी थरियांव ने कूदकर जान बचाई। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल पंप आदि से आग को बुझाने का प्रयास किया। करीब आधे घंटे बाद पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने आग को बुझाया, लेकिन तब तक कंटेनर पूरी तरह जल चुका था। कंटेनर वाराणसी से सूरत जा रहा था। चालक ने बताया कि केबिन से अचानक चिंगारी निकली और देखते ही देखते कंटेनर जलने लगा।

भारी फोर्स के साथ शुरू हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

वाराणसी। दालमंडी चौड़ीकरण योजना के तहत शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। बाजार में चिह्नित 12 भवनों में से पहले भवन को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई है। अन्य को तत्काल खाली करने के लिए कहा गया है। वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण को लेकर शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई फिर से शुरू की गई। भारी फोर्स के साथ वीडीए द्वारा चिन्हित 12 भवन में से पहले भवन पर कर्रवाई शुरू

हो गई है। साथ ही दुकानदारों को 10 मिनट के अंदर मकान खाली करने को बोला गया है। दालमंडी चौड़ीकरण योजना में 10 मीटर सड़क चौड़ी होगी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी के अनुसार दालमंडी में दोनों तरफ 10 (पांच-पांच) मीटर की सड़क, 6.4 (3.2-3.2) मीटर का फुटपाथ और एक (आधा-आधा) मीटर की केसी ड्रेन नाली है। इस प्रकार कुल 17.4 मीटर में काम होाग। फुटपाथ के नीचे सभी जनसुविधाओं को भूमिगत किया जाएगा।

नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत संचालित होंगे आठ डेयरी प्लांट

बस्ती। नंद बाबा दुग्ध मिशन की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में शामिल जनपद में आठ इकाई बनेगी। इससे यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा और पशुपालन के जरिये आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। शुक्रवार को सीडीओ की अध्यक्षता में गठित टीम के सामने सभागार में आठ डेयरी प्लांट के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली गई, जिसमें आठ पशु किसानों का का चयन किया गया। लॉटरी को लेकर सुबह से ही विकास भवन में गहमागहमी रही।प्रदेश सरकार ने युवाओं को गाय पालन के जरिये दुग्ध उत्पादन के रोजगार से जोड़ने के लिए नंद बाबा दुग्ध मिशन की नदिंनी कृषक समृद्धि योजना शुरू की है। योजना के तहत प्रत्येक परियोजना इकाई की लागत 23.60 लाख रुपये के करीब है। लाभार्थी को लागत पर 50 फीसदी का अनुदान दिया जाएगा। 35 प्रतिशत अंश बैंक लोन के जरिये देगी जबकि 15 प्रतिशत धन ही लाभार्थी को वहन करना होगा। 23.60 लाख की परियोजना पर साहीवाल अथवा थारपारकर नस्ल के 10 गोवंश पालने, हरे चारे की व्यवस्था समेत दुग्ध उत्पादन की व्यवस्था होगी। जिले को इस योजना के तहत चयनित किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कुल 136 आवेदन आए थे। इसमें 96 आवेदन स्वीकार किए गए। शेष रिजेक्ट हो गए थे। आठ पशु किसानों का चयन हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

कार की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक घायल

वाल्टरगंज। बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर सोनहा थाना क्षेत्र के देईपार चौराहे के पास बृहस्पतिवार देर रात तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार कोतवाली थानाक्षेत्र के रैपुरा निवासी मुन्ना लाल पुत्र रामचंद्र अपने बुआ के गांव अगडेगवा से मामा राज कुमार निवासी सिहारी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मुन्ना व चालक राजकुमार घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर सोनहा पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया गया। स्थिति गंभीर होने पर मुन्ना को मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर और फिर लखनऊ रेफर किया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज किया जाएगा। परिजनों ने मुन्ना का अंतिम संस्कार बक्सई घाट पर कर दिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

छावनी में सड़क हादसे में युवक की मौतबस्ती। छावनी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम हुए सड़क हादसे में हरैया थाना क्षेत्र के तेनुआ गांव निवासी आबिद अली की मौत हो गई थी। पुलिस ने आबिद के भाई जाविद अली की तहरीर पर अयोध्या जिले के गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के गणेशपुर विसौरा निवासी ट्रेलर चालक शैलेश वर्मा के विरुद्ध केस दर्ज किया है। तहरीर में बताया है कि आबिद बाइक से ससुराल से घर लौट रहे थे। शाम लगभग 05:30 बजे छावनी थाना से करीब 50 मीटर पूर्व अयोध्या की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी।

कार की चपेट में आने से ठेला चालक घायल

बनकटी। देईसाड़झबानपुर मार्ग पर पसड़ा गांव के पास बृहस्पतिवार देर रात ठेला लेकर जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ठेला चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के पसड़ा गांव निवासी 17 वर्षीय आदित्य रात में घर से कुछ दूरी पर नशे में धुत एक व्यक्ति को ठेला लेकर लेने जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर ठेले में जा टकराई। टक्कर से आदित्य का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि साथ चल रहे अन्य लोग बाल-बाल बच गए। कार चालक घायलों को आनन-फानन में संतकबीरनगर के एक निजी अस्पताल ले गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

विद्यालयों में खेल-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

बस्ती। जिलेभर के परिषदीय एवं निजी विद्यालयों में 14 नवंबर को बाल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही विद्यालयों में रंगबिरंगी सजावट, सांस्कृतिक गतिविधियां और बच्चों की खिलखिलाहट से उत्सव जैसा माहौल बना रहा। शिक्षकों ने बच्चों को चाचा नेहरू के जीवन, बाल अधिकारों और शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। दुबौलिया संवादाता के अनुसार प्राथमिक विद्यालय पंडितपुर और नेपालीपुर में खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। बनकटी संवादाता के अनुसार प्राथमिक विद्यालय पडरी में विज्ञान प्रदर्शनी, पोस्टर मेकिंग व बाल मेला का आयोजन किया गया। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। हरैया संवादाता के अनुसार क्षेत्र के काजीपुरा, बेलवा, बड़ोली, चांदपुर के विद्यालयों में बच्चों ने विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुति, कबड्डी और 100 मीटर दौड़ में हिस्सा लिया। अभिभावक सम्मेलन में बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन और स्वास्थ्य पर चर्चा हुई। गौर संवादाता के अनुसार ब्लॉक के संग्रामपुर, मालीकनपुर, चिरचिरा, असना, छोटोड़ी, बखिरा आदि विद्यालयों में बाल दिवस पर बच्चों ने चित्रकला, भाषण, कविता पाठ और विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए। कलवारी संवादाता के अनुसार क्षेत्र के खनुआना, चौरा, चांदपुर, कंजराडाड़, अकौलिया, सुभाषनगर में खेलकूद और स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। विद्यालयों में समूह गीत, मनोरंजक खेल और बाल संवादाता सत्र केंद्र में रहे। रुधौली संवादाता के अनुसार लालगंज, इटहुआ, बड़हा, भारार, जनौरा के विद्यालयों में चित्रकला, विज्ञान परियोजना, कहानीझवाचन और खेल प्रतियोगिताएं हुई। विक्रमजोत संवादाता के अनुसार क्षेत्र में सोनहा, डड़वा, रामपुर, भटवलिया, खम्हरिया के विद्यालयों में सामूहिक नृत्य, कविता पाठ और विज्ञान मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे।

बिजली कटौती से शहरवासी परेशान

बस्ती। दो दिन से शहर के कई हिस्सों में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। ठंड के इस मौसम में भी अघोषित कटौती की जा रही है। लोगों ने बताया कि बिना किसी सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सर्वाधिक परेशानी गांधीनगर उपकेंद्र से जुड़े बाजार कंपनीबाग, गांधीनगर, फौव्वारा और आवास विकास, रमेश्वरपुरी, महरीखांवा में हो रही है। आलोक, शिवम और बब्बू ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम के समय दो से तीन घंटे कटौती रही, इससे अंधेरा रहा।

152 एजुकेटर का प्रशिक्षण संपन्न

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कोलोकेटेड आंगनबाड़ी बालवाटिका केंद्रों में कार्यरत ईसीसीई एजुकेटरों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हो गया। समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने सभी 152 एजुकेटरों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। कहा कि ईसीसीई एजुकेटर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एजुकेटर ही बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। इसलिए प्रत्येक एजुकेटर को कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रशिक्षण कक्षा एक से पहले के बच्चों को तैयार करने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है।

ठहराव समय में निम्नवत संशोधन किया गया

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्न गाड़ियों के प्रस्थान एवं ठहराव समय में निम्नवत संशोधन किया गया। -बनारस से 12 जनवरी, 2026 से चलने वाली 15107 बनारस-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस बनारस से निर्धारित समय 05.05 बजे के स्थान पर 04.55 बजे प्रस्थान कर लोहता से निर्धारित समय 05.20 बजे के स्थान पर 05.10 बजे छूटेगी। -बलिया से 19 नवम्बर, 2025 से चलने वाली 22581 बलिया-नई दिल्ली एक्सप्रेस बनारस से निर्धारित समय 23.10 बजे के स्थान पर 23.15 बजे छूटेगी। -बनारस से 15 नवम्बर, 2025 से चलने वाली 12581 बनारस-नई दिल्ली एक्सप्रेस बनारस से निर्धारित समय 23.10 बजे के स्थान पर 23.15 बजे छूटेगी।

बाजार एकाधिकार की साजिश में एपल-ओपनएआई पर चलेगा केस, एंटी-ट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एपल और चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई एलन मस्क की कंपनी एक्स कॉर्प द्वारा दायर उस मुकदमे को खारिज नहीं करा सके जिसमें स्मार्टफोन व जनरेटिव एआई चैटबॉट्स के बाजारों पर एकाधिकार करने की साजिश का आरोप था। एपल-ओपनएआई टेक्सास में फोर्ट वर्थ में अमेरिकी जिला जज मार्क पिटमैन को यह केस खत्म कराने के लिए तर्क पेश करने में नाकाम रहे। अपने फैसले में जज ने कहा, मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स व स्टार्टअप एक्सएआई फिलहाल अपने मुकदमे को आगे बढ़ा सकते हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभुत्व की लड़ाई में अरबपति उद्यमी की प्रारंभिक जीत है। जज ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि उनके फैसले को एक्स के आरोपों के गुण-दोष पर निर्णय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और वह मामले में बाद के चरण में तथ्यों पर विवादों पर विचार करेंगे।

बच्चों को कला और संस्कृति की विरासत से जोड़ा गया

लुलु मॉल ने आयोजित किया डॉल्स ऑफ इंडिया

लखनऊ (संवाददाता)। बाल दिवस के अवसर पर लुलु मॉल, लखनऊ में डॉल्स ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। यह एक अनोखा सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक गुड़िया-निर्माण कला, शिल्प विरासत और सतत हस्तकला को सम्मान देना था। इस पहल में सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल्स ने सहयोगी साझेदार के रूप में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में शिक्षा और रचनात्मकता का सुंदर समावेश हुआ। 14 से 16 नवंबर 2025 तक चले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने मॉल को एक जीवंत सांस्कृतिक स्थल में बदल दिया, जहाँ कला, कहानी और हस्त गतिविधियों के माध्यम से भारत की विविधता का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में देशभर की 25 पारंपरिक गुड़ियों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिनमें हर गुड़िया अपनी विशेष कला शैली और कहानी को दर्शाती थी। बिहार की मंजूषा गुड़िया, झारखंड के छोऊ मुखौटे, राजस्थान और तेलंगाना की कठपुतलियाँ और अंडमान-निकोबार की जनजातीय गुड़ियाँ कृ सभी ने भारत की सदियों पुरानी कला-संस्कृति को उजागर किया। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण रहा उत्तर प्रदेश की मूनज घास से बनी मूनज डॉल्स। प्राकृतिक और पर्यावरणअनुकूल मूनज घास से बनने वाली ये गुड़िया ग्रामीण जीवन, टिकाऊ शिल्पकारी और महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। लुलु मॉल ने स्थानीय कारीगरों को मंच देकर इस विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तीन दिनों के दौरान बच्चों और परिवारों को कई रचनात्मक, शिक्षाप्रद और मजेदार गतिविधियों में शामिल किया गयारू ऽ 14 नवंबररू डॉलमेकिंग वर्कशॉप द्द बच्चों ने अपनी गुड़िया खुद बनाकर पारंपरिक तकनीकें सीखीं। ऽ 15 नवंबररू क्ले आर्ट वर्कशॉप द्द मिट्टी से कला बनाने का पर्यावरणअनुकूल और कल्पनाशील अनुभव। ऽ 16 नवंबररू ग्रैंड पपेट शो द्द हंसी, संगीत और लोककथाओं से भरा लखनऊ के किसी भी मॉल में होने वाला पहला कठपुतली शो। इसके अलावा लाइव पॉटरी डेमोंस्ट्रेशन, कपड़े की गुड़िया बनाने की गतिविधि और ओरिगामी कलाकार की लाइव वर्कशॉप ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बनाया। इन कला प्रस्तुतियों ने दर्शकों को परंपरागत शिल्प को करीब से देखने और सीखने का अवसर दिया। लुलु मॉल ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया, जिन्होंने हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विशाख जी अय्यर, डीएम लखनऊ ने किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता और स्थिरता के महत्व को बढ़ावा देता है। उद्घाटन के दौरान श्री आलोक शुक्ला (डायरेक्टर एवं स्टेट हेड, ब्ग्), सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, शाहिद पथ की वाइस प्रिंसिपल, श्री पंकज राठौर और सुश्री मोनिका तनेहा मनकताला सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर, लुलु मॉल, ने कहारू हमें डॉल्स ऑफ इंडिया को मिली शानदार प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। बच्चों और परिवारों को एक साथ भारत की कलाहसंस्कृति का उत्सव मनाते देखना बहुत सुखद रहा। यह कार्यक्रम वास्तव में बाल दिवस के भाव को दर्शाता है कृ जहाँ खुशी, सीख और परंपरा एक साथ आती है। श्री पंकज राठौर, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल्स की ओर से बोलेरू लुलु मॉल के साथ इस पहल में जुड़ना हमारे इस विश्वास को दिखाता है कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। पारंपरिक कला से बच्चों को जोड़ना उनकी रचनात्मकता, पर्यावरणहजागरूकता और संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ाता है। डॉल्स ऑफ इंडिया भारत के कारीगरों को समर्पित एक सुंदर प्रयास रहा और इसने यह संदेश दिया कि कला और सतत विकास एक साथ चल सकते हैं। कार्यक्रम रचनात्मकता, मुस्कानों और सांस्कृतिक गर्व के साथ समाप्त हुआ यह बताते हुए कि परंपरा जब मन से मनाई जाए, तो वह सदाबहार बन जाती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को कई छात्र संगठनों ने चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जो छात्र उन्हें मारते, लड़ाई-झगड़ा करते हैं उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन कुछ नहीं बोलता। वहीं जब इसके खिलाफ पीड़ित छात्र आवाज उठाते हैं तो पुलिस आ जाती है। प्रदर्शन करने वालों में बीएपीएसए, एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा समेत विभिन्न छात्र संगठन शामिल हैं। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए टैगोर लाइब्रेरी से चीफ प्रॉक्टर ऑफिस तक विरोध मार्च निकाला। उसके बाद 2 घंटे तक प्रॉक्टर ऑफिस के बाहर बैठकर नारेबाजी हंगामा करते रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर पर भी शोध छात्र के साथ मारपीट का आरोप लगाया। इस दौरान छात्रों को विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी काफी देर तक समझाते रहे लेकिन वे उठने को तैयार नहीं थे। समाजवादी छात्र सभा के छात्रों ने प्रशासनिक भवन और वीसी ऑफिस घेरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बात से एतराज जताया कि विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहती है। इन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस को भय मुक्त बनाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर कैंपस के अंदर प्रॉक्टर और अन्य प्रोफेसर 20 से 25 पुलिसकर्मियों के साथ भौकाल दिखाते हुए रील बना रहे हैं जिससे छात्रों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई के सदस्य शुभम ने कहा कि विश्वविद्यालय में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है यह बेहद शर्मनाक है। प्रॉक्टोरियल टीम छात्रों के साथ मारपीट कर रही है। विश्वविद्यालय कैंपस में चेकिंग के दौरान शोध छात्र को एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने थप्पड़ मार दिया। घटना से छात्र बेहद परेशान है और इसका असर दूसरे छात्रों पर भी नकारात्मक रूप से पड़ रहा हम लोग ऐसे छात्र और प्रॉक्टर टीम का विरोध करते हैं जो अनावश्यक छात्रों से मारपीट कर रहे हैं। छात्रों को सुरक्षित महसूस कराना यह विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर छात्रों को टारगेट करके उनके साथ मारपीट करना गलत है, इसका हम लोग कड़ा विरोध करते हैं। विश्वविद्यालय शिक्षा के मंदिर से अब गुंडागर्दी का अड्डा बन चुका है। असिस्टेंट प्रोफेसर से लेकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड तक गुंडई कर रहे हैं। जो आरोपी प्रोफेसर है वह सामने आकर माफी मांगें। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा राहुल पांडेय हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वह पहले भी इस तरह की हरकत कर चुके हैं जिससे तमाम छात्र आक्रोशित हैं। जब तक वह माफी नहीं मांगते, बोर्ड से इस्तीफा नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड रोड पर क्रेन पलटी, फ्लाईओवर से लटकी,बड़ा हादसा टला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे एलिवेटेड रोड पर शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। एलईडी स्क्रीन लगाने के दौरान क्रेन असंतुलित होकर पलट गई। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना सरोजनी नगर के हाइडिल नहर चौराहे के पास सुबह करीब 9 बजे हुई। एक्सप्रेसवे की कार्यदायी कंपनी पीएनसी के कर्मी भारी एलईडी स्क्रीन और लोहे के एंगलयुक्त गेट को क्रेन की मदद से लगवा रहे थे। कार्य के दौरान अचानक क्रेन असंतुलित होकर एलईडी स्क्रीन समेत पलट गई। हादसे के समय एलिवेटेड रोड पर कई मजदूर मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। क्रेन के पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यदि उस समय कानपुर रोड पर यातायात चालू होता, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। घटना से पहले ही एक्सप्रेसवे के ऊपर एलईडी स्क्रीन लगाए जाने के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर आने वाली पटरी का यातायात रोक दिया गया था, जिससे किसी राहगीर या वाहन को नुकसान नहीं हुआ। क्रेन और एलईडी स्क्रीन के गिरने से एलिवेटेड रोड की कंक्रीट रेलिंग का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे कानपुर रोड पर आ गिरा, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। रेलिंग का कुछ हिस्सा एक्सप्रेसवे से बाहर लटक गया था। हादसे के तुरंत बाद, पलटी हुई क्रेन को हटाने और कानपुर रोड पर गिरे मलबे को साफ करने के लिए दूसरी क्रेन मंगाई गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में पीएनसी कंपनी के प्रति भारी रोष देखा गया। लोगों का आरोप है कि कंपनी द्वारा निर्माण कार्य में शुरू से ही लापरवाही बरती जा रही है। इससे पहले भी बंथरा और सरोजनी नगर क्षेत्र में कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू कराने और भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगाने की मांग की है।

9 साल से लंबित मांगों को जेकर लेखपाल संघ ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर सरोजनी नगर लेखपाल संघ ने शनिवार को तहसील समाधान दिवस सहित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। लेखपालों ने अपनी नौ साल से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस पहल न किए जाने के विरोध में तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। संघ की प्रमुख मांगों में राजस्व लेखपाल संवर्ग को तकनीकी संवर्ग घोषित करना, पदनाम बदलकर राजस्व उपनिरीक्षक करना और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक निर्धारित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक वेतनमान को ग्रेड पे 2800 करने की मांग भी की गई। लेखपालों ने पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और हर पांच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने की मांग की। उन्होंने चार राजस्व निरीक्षकों के सापेक्ष एक नायब तहसीलदार का पद सृजित करने और इन दोनों पदों पर लेखपालों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की भी मांग उठाई। नायब तहसीलदार के पद पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती में से 25 प्रतिशत पद लेखपालों के लिए विभागीय परीक्षा के माध्यम से आरक्षित करने की मांग भी की गई। एसीपी विसंगति को दूर करने की मांग भी प्रमुख रही। इसमें प्रथम एसीपी में 10 वर्ष की सेवा पर 2800 ग्रेड पे, द्वितीय में 16 वर्ष पर 4200 ग्रेड पे और 26 वर्ष की सेवा पर 4600 ग्रेड पे प्रदान करने की मांग शामिल है। अन्य मांगों में स्टेशनरी भत्ता 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए और विशेष भत्ता 2500 रुपए करना शामिल है। संगठन ने अंतरमंडलीय स्थानांतरण बहाल करने और 2004 के बाद नियुक्त मृतक आश्रित लेखपालों को पेंशन स्वीकृत करने की भी मांग की। जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण को देखते हुए लेखपालों के पदों में वृद्धि करने, साथ ही राजस्व सहायक और राजस्व चौकी की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई। इस धरना-प्रदर्शन में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पटवारी संघ के अध्यक्ष राम मूरत यादव, जिला उपमंत्री रंजीत वर्मा, तहसील अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा और मंत्री नीतू यादव सहित कई लेखपाल मौजूद रहे।

मायावती को बड़ा झटका, यूपी की तरह बिहार में भी सिर्फ एक ही सीट पर सिमटी बसपा, 191 पर मिली करारी हार

लखनऊ (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। बिहार में बसपा को केवल एक सीट पर विजय मिली है जिसने पार्टी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। बिहार में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बसपा के सतीश कुमार सिंह यादव और भाजपा के अशोक कुमार सिंह के बीच कांटे की टक्कर में, बसपा उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंद्वी से मात्र 30 वोटों से जीत हासिल की। इस बार

बिहार में बसपा ने जिन 192 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से रामगढ़ एकमात्र सीट है जिस पर उसने जीत हासिल की। सतीश यादव को 72,689 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 72,659 वोट मिले। हालांकि मतगणना के दिन यादव शुरू से ही बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन अंतर कम होता गया। मतगणना के दूसरे-आखिरी दौर तक, यादव केवल 175 वोटों से आगे थे। इस सीट का अंतिम परिणाम शुक्रवार देर रात घोषित किया गया क्योंकि मतगणना का आखिरी दौर असामान्य रूप से लंबा चला। दरअसल, रामगढ़, बक्सर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत एक सीट है और यहाँ बसपा का मामूली अंतर से हारने का इतिहास रहा है, कम से कम पिछले दो विधानसभा चुनावों (2015 और 2020) और 2024 के एक उपचुनाव में भी। 2020 में, बसपा राजद से केवल 189 वोटों से हारी थी। 2024 के उपचुनावों में वह भाजपा से 1,284 वोटों से हारी जबकि 2015 में बसपा इस सीट पर तीसरी सबसे मजबूत पार्टी थी।

योगी विजन: अयोध्या बना डेवलपमेंट का रोल मॉडल

अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, मिलेगा लोगों को रोजगार

लखनऊ (संवाददाता)। राम की नगरी अयोध्या विश्व के मानचित्र पर धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, विकसित शहर के रूप में समृद्धि और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसका श्रेय सीएम योगी आदित्यनाथ को जाता है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के पहले से ही सीएम योगी अयोध्या को उसके गौरवशाली इतिहास को पुनरू वापस दिलाने के लिए योजना पर काम कर रहे हैं। अयोध्या में आज देशी विदेशी पर्यटक बड़ी तादाद में आ रहे हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश में रामनगरी के विकास के लिए अनेकों प्लान बनाए गए हैं और उसको विभिन्न विभागों के साथ मिलकर धरातल पर उतारा जा रहा है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया और उसके क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए। शहर के नगर नियोजन के लिए 1000 करोड़ से ज्यादा धनराशि उपलब्ध कराकर एक व्यापक शहरी खाका खींचा। ये मास्टर प्लान 133.67 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकास की योजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। अयोध्या को एक आधुनिक, सतत, और आध्यात्मिक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रस्ट्रक्चर को तैयार किया जाए। अयोध्या में जनवरी-जून के बीच करीब 24 करोड़ पर्यटक आए। अनुमान लगाया जा रहा है कि साल के अंत तक पर्यटकों की संख्या का आंकड़ा 50 करोड़ पार कर जाएगा। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रस्ट्रक्चर को तैयार हो रहा है। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। इस टाउनशिप योजना का विकास वैदिक प्रस्तार योजना के तहत हो रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य में बढ़ने वाले पर्यटकों की संख्या और जनसंख्या दबाव को संतुलित ढ़ंग से प्रबंधित करना है। अयोध्या में हर साल पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। रामलला के दर्शन के लिए न केवल देश बल्कि विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। ऐसे में अयोध्या में एक अत्याधुनिक हवाई अड्डे की भी आवश्यकता थी। इसी को ध्यान में रखते हुए डबल इंजन सरकार ने 1450 करोड़ की लागत से आधुनिक एयरपोर्ट का विकास किया। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 2023 से सफलतापूर्वक संचालित है। इस एयरपोर्ट में 6000 वर्ग मीटर का टर्मिनल और बड़े विमानों के लिए रनवे है। यह एयरपोर्ट अयोध्या को भारत के प्रमुख शहरों और अंतरराष्ट्रीय शहरों से जोड़ता है। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन लाखों की संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है। अयोध्या शहर में ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए 67.17 किलोमीटर लंबी, 4/6 लेन की अयोध्या आउटर रिंग रोड परियोजना पर काम हो रहा है। यह परियोजना लगभग 3,935 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है।

लखनऊ में बिजली विभाग की वर्टिकल हेल्प डेस्क शुरू,प्रबंध निदेशक ने नारियल फोड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बिजली विभाग में वर्टिकल व्यवस्था लागू हो गई है। अब शहर 15 लाख ग्राहकों को अगर कोई परेशानी होती है तो वह सीधे 1912 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए शहर को जोन वाइज बांटकर हेल्प डेस्क शुरू कर दी गई हैं। हेल्प डेस्क ने हर जोन के लिए काम करना शुरू कर दिया है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने सेंट्रल कार्यालय के बाहर नारियल फोड़कर हेल्प डेस्क शुरू कर दी। उपभोक्ताओं को नई व्यवस्था में भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए चीफ इंजीनियर से लेकर ग्राउंड लेवल तक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश हैं। मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि 6 अस्थायी हेल्प डेस्क के अलावा 10 अस्थायी हेल्प डेस्क और खोली जा रही हैं। हेल्प डेस्क पर शिकायत करने पर ग्राहक को बताया जाएगा कि पहले टोल फ्री नंबर 1912 पर भी शिकायत दर्ज कर दें। इसका उद्देश्य है कि हर शिकायत की मॉनिटरिंग हो सके। इसीलिए 1912 पर पूरा ध्यान देने की बात प्रबंध कर रहा है। यह हेल्प डेस्क बिजली विभाग के कार्यालय के टाइम टेबल के अनुसार काम करेगी। फॉल्ट ठीक करने के लिए उस पाली में तैनात गैंग या कार्यदायी संस्था को काम आवंटित करेंगे। नामित मरम्मत गैंग शट डाउन लेकर काम पूरा करने के बाद बिजली लाइन चालू करेंगे। फेस लेस कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता को ऑफिस नहीं बुलाया जाएगा। किसी भी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी तो उपभोक्ता से ई-मेल, वॉट्सऐप, उपभोक्ता एप और उपभोक्ता सहायक केंद्र और मध्यांचल के चौट बॉक्स 8010924203 के माध्यम से लिए जाएंगे। मुख्य अभियंता लखनऊ मध्य रवि कुमार ने बताया किसी भी प्रकार के बिल संशोधन के लिए उपभोक्ता 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं। यदि ऑनलाइन शिकायत न कर सकें तो नजदीकी हेल्प डेस्क पर जाएं। हेल्प डेस्क शिकायत को 1912 पर दर्ज कर देगा और पंजीकरण नंबर उपलब्ध कराएगा। बिल सही होने पर लिंक के माध्यम से उपभोक्ता को संशोधन का मेमो मिलेगा, जिससे वह खुद नया बिल देख और सत्यापित कर सकेंगे। शिकायत दर्ज कराने के विकल्प रहेगा। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार के अनुसार, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) नए कनेक्शन, बिलिंग, वसूली और उपभोक्ता सेवाओं के प्रभारी होंगे। अधीक्षण अभियंता (तकनीकी) निर्बाध बिजली आपूर्ति, 440 वोल्ट, 11 केवी और 33 केवी लाइनों के फॉल्ट सुधार और ई-लाइन निर्माण के जिम्मेदार होंगे। दोनों विंग में अधिशासी, सहायक और अवर अभियंता सहयोग करेंगे, जबकि शीर्ष पर मुख्य अभियंता होंगे।

मोमेंट्ज ने लखनऊ के गोमतीनगर में खोला उत्तर प्रदेश का अपना पहला शोरूम

लखनऊ (संवाददाता)। लक्जरी गिफ्टिंग शोरूम मोमेंट्ज ने लखनऊ के गोमतीनगर में उत्तर प्रदेश का अपना पहला शोरूम खोला। जहाँ प्रीमियम और कस्टम-निर्मित उपहारों की विशेष और अनोखी रेंज उपलब्ध है। देवाश्री इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से खुला यह शोरूम 1/7 अपर ग्राउंड फ्लोर विपुल खंड गोमतीनगर में स्थित है। शोरूम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद लखनऊ उत्तर के विधायक माननीय डा. नीरज बोरा ने किया। इस मौके पर मोमेंट्ज के संस्थापक श्री वेरेश कालरा, निदेशक श्री सर्वेश कालरा और देवाश्री इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री देवांशु बोरा, लखनऊ पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री सुधीर बोरा, श्री मनीष बोरा, श्री पंकज बोरा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मोमेंट्ज के संस्थापक श्री वेरेश कालरा ने कहा, मोमेंट्ज में हर उत्पाद एक कुशल कारीगर टीम द्वारा तैयार किया जाता है, जो विचारों और भावनाओं को खूबसूरत कलाकृतियों में बदलते हैं। हर डिजाइन में टिकाऊपन, तकनीक और बारीकी का विशेष ध्यान रखा जाता है, ताकि हर उपहार न केवल सुंदर हो बल्कि भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण हो। हमारी विस्तृत रेंज हर अवसर के लिए अद्भुत उपहार प्रस्तुत करती है। जब हमने शादी से जुड़े उपहारों के क्षेत्र में कदम रखा, तो रचनात्मकता और निजीकरण का नया आयाम जुड़ गया। हम प्रीमियम वेडिंग गिफ्टिंग सॉल्यूशंस प्रदान करते हैं। जैसे विशेष वेडिंग इनविटेशन, कस्टमाइज्ड उपहार और फर्स्ट-कांड्संकुजो सौंदर्य, सुविधा और उत्कृष्ट शिल्पकला का अनूठा मेल हैं। जन्मदिन, वर्षगांठ, बेबी शॉवर, गृहप्रवेश जैसे अन्य विशेष अवसरों के लिए भी मोमेंट्ज उत्कृष्ट विकल्प प्रदान करता है।

ताजा खबर...

ओला सर्विस सेंटर में कस्टमर से बदसलूकी,कर्मचारियों ने सड़क पर दौड़ाकर पीटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थानाक्षेत्र में रिंग रोड स्थित ओला सर्विस सेंटर में स्टाफ ने कस्टमर के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि पिता-पुत्र गाड़ी सर्विस के लिए आए थे। इस दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद कर्मचारियों ने हमला कर दिया। सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। गुडंबा कल्याणपुर के रिंग रोड पर ओला सर्विस सेंटर है। शनिवार को दोपहर के समय वहां एक कस्टमर के साथ कर्मचारियों ने मारपीट की। जिसका वीडियो साथ में मौजूद उनके बेटे ने बना लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कर्मचारी किस तरह कस्टमर को पीट रहे हैं। फिर दो अन्य कर्मचारी भागते हुए आते हैं और हमला कर देते हैं। तमाम लोग वहां मौजूद थे, जो रुकने के लिए कह रहे थे लेकिन दबंग कर्मचारी किसी की सुनने को तैयार नहीं थे।

पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को योगी सरकार ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, बने राज्य ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को तीन साल के लिए राज्य ट्रांसफॉर्मेशन कमिशन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का विशेष दायित्व सौंपा गया है। नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य योजना आयोग की अधिसूचना के अनुसार मनोज कुमार सिंह को आयोग में कार्यभार ग्रहण करने के लिये नामित किया गया है। आदेश के मुताबिक, उन्हें पूर्व कार्यकारी अनुभव को आधार मानते हुए तीन साल तक मुख्य कार्यकारी स्तर पर सेवाएँ देने के लिए अधिकृत किया गया है। इस अवधि में उन्हें वेतन तथा नियमानुसार सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। प्रमुख सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी आदेश की प्रतियां संबंधित विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और सूचना विभाग सहित विभिन्न कार्यालयों को प्रेषित कर दी गई हैं। शासन ने निर्देश दिया है कि आदेश का अनुपालन तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित किया जाए।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में एएमपी की दो दिवसीय राष्ट्रीय समिनार का आरम्भ

लखनऊ (संवाददाता)। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज आरोहण से हुई, जो एकता, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रगति का प्रतीक है। पहले सत्र में जिन प्रतिष्ठित व्यक्तित्व किया है। दानिश आजाद, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, आमिर इदरीसी, अध्यक्ष एएमपी, प्रो. अमिताभ कुंडु, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट, दिल्ली, फारूक सिद्दीकी, दिल्ली, यू. निसार अहमद, अध्यक्ष, कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग,डॉ. जफर महमूद, अध्यक्ष, जकात फाउंडेशन ऑफ इंडिया, दिल्ली,प्रो. फुरकान कमर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया,तारिक सिद्दीकी, शाहीन इस्लाम सभी वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसरों के विस्तार, और सशक्तिकरण के महत्व पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। इस सत्र ने सम्मेलन के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया। दूसरा सत्र समुदाय की शैक्षणिक रीढ़ का पुनर्निर्माण विषय पर आधारित रहा। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि मुस्लिम समुदाय जो देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। जब शैक्षणिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा, तभी राष्ट्र के विकास में अधिक प्रभावी योगदान संभव है। इस वर्ग की प्रगति के बिना वास्तविक राष्ट्रीय विकास अधूरा है।

ट्रेन से कटा युवक, मौके पर ही मौत,चेहरा कटने से नहीं हो सकी पहचान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के पारा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना भुंवर पुल के पास आलमनगर से काकोरी की ओर जाने वाली रेलवे लाइन पर सुबह लगभग 9 बजे हुई। काकोरी के स्टेशन मास्टर ने इसकी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पारा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग और आसपास जमा भीड़ भी युवक की पहचान नहीं कर सके। मृतक का चेहरा भी कट चुका है। पुलिस के अनुसार, मृतक युवक ने नीली जींस, सफेद शर्ट, ब्राउन रंग का अंडरवियर और भूरे रंग का बेल्ट पहना हुआ था। इन विवरणों से उसकी पहचान में मदद मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि युवक अचानक चलती ट्रेन के सामने आ गया था। घटना के बाद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पारा थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि शव की शिनाख्त के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। पारा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक की पहचान के संबंध में कोई जानकारी है, तो वे थाना पारा के मोबाइल नंबर 9454403875 पर संपर्क कर सकते हैं।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग,2 बाइक सहित गृहस्थी का सारा सामान राख

लखनऊ (संवाददाता)। नगराम थाना क्षेत्र के बलसिंहखेड़ा गांव में एक किसान के घर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में घर में रखा दो बाइकें सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। परिवार के सदस्यों ने घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, किसान राममिलन अपनी पत्नी शीला वर्मा, माता चंपावती, एक बेटी और एक बेटे के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात वे खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह करीब चार बजे घर के बाहर वाले कमरे में बिजली के बोर्ड में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बाहर सो रही माँ चंपावती ने आग देखकर आवाज लगाई, जिसके बाद घर के सभी सदस्य किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पीड़ित राममिलन के मुताबिक, आग में टीवी, फ्रिज मशीन, इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी, एक बाइक, अनाज और कपड़े सहित अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।

ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत, नहीं सुनाई दिया हॉर्न

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में ड्यूटी पर निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक कान में ईयर फोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। जिसकी वजह से ट्रेन के हार्न की आवाज नहीं सुनाई दी और उसकी चपेट में आ गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है कोलवा भनौरा माल निवासी अखिलेश (18) पुत्र छोटे लाल गोमती नगर विस्तार में खरगापुर क्रासिंग के पास झोपड़ पट्टी में रहता था। घरों में साफ सफाई का काम करता था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे काम पर निकला था। खरगापुर रेलवे क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सम्पादकीय

लोग कुर्सी का सम्मान करते हैं न कि उस पर बैठे व्यक्ति का

कल रात एक सेवानिवृत्त सरकारी उप-सचिव के साथ भोजन किया और जब हम उनकी सेवा के वर्षों के बारे में बात कर रहे थे तो मैंने उनसे एक ऐसा सवाल पूछने का फैसला किया जिससे कई शक्तिशाली लोग चुप-चाप डरते हैं। मैं आगे झुका और पूछा कि सेवानिवृत्ति के बाद सत्ता न होने का कैसा अनुभव होता है। एक पल के लिए उन्होंने मेरी ओर एक ऐसी दयालुता से देखा जो जीवन को डैस्क के दोनों ओर से देखने से ही आती है। फिर वे हंसे, किसी कड़वाहट या पछतावे से नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की शांत संतुष्टि के साथ जिसने कुछ ऐसा समझ लिया है जो उच्च पदों पर बैठे कई लोग कभी नहीं समझ पाते। उन्होंने मुझे बताया कि जितने साल वे उस सीट पर रहे, उन्होंने हर दिन खुद को याद दिलाया कि लोग सीट का सम्मान करते हैं और उसे प्रणाम करते हैं, न कि उस पर बैठे व्यक्ति का। उन्होंने खुद से यही बात तब कही जब उनके लिए गाडियां रुकीं, जब लोग सभाओं में खड़े हुए, जब उनके घर पर निमंत्रणों की बाढ़ आई और जब उनके फोन की घंटी लगातार बजती रही और आवाजें शहद से भी मीठी लग रही थीं। वे जानते थे कि हर अभिवादन और हर सम्मानपूर्ण इशारा उनके पद के लिए था न कि उनके लिए। और उन्होंने कहा कि इस एक विचार ने सेवानिवृत्ति के बाद उनकी मदद की। जब वे बोल रहे थे, मुझे अहसास हुआ कि उन सरल शब्दों में कितनी बुद्धिमता छिपी है। कल्पना कीजिए कि अगर हमारे शक्तिशाली नेता यह समझ जाते तो हम कितने दुख से बच सकते थे। कल्पना कीजिए कि कितने गुस्से पर काबू पाया जा सकता था और कितने अहंकार अपने सामान्य आकार में सिमट जाते, अगर उन्हें याद रहे कि उन्हें जो सम्मान मिलता है वह सिर्फ उस कुर्सी से उधार लिया गया है जिस पर वे बैठते हैं। कुर्सी का अधिकार होता है। कुर्सी की पहुंच होती है। कुर्सी का महत्व होता है। व्यक्ति बस कुछ देर के लिए उस पर बैठता है। चारों ओर देखिए, आपको हर जगह विपरीत ही दिखाई देगा। सत्ता में बैठे लोग यह मानने लगते हैं कि वे ही सत्ता हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें जो सम्मान मिलता है, वह उनकी प्रतिभा, उनके आकर्षण या उनके व्यक्तित्व के कारण है। वे भूल जाते हैं कि अगर कुर्सी छिन जाए, तो भीड़ गर्मियों में बर्फ से भी तेजी से पिघल जाती है। फोन की घंटी बजना बंद हो जाती है। अंतहीन आगंतुक गायब हो जाते हैं। उनके घर के बाहर गेट पर अब चिंतित याचकों की लंबी कतारें नहीं दिखतीं। अचानक वे अकेले हो जाते हैं और सन्नाटा चौंकाने वाला होता है क्योंकि उन्होंने पद को स्नेह समझ लिया था। काश हमारे और भी नेता, अधिकारी और कुसीर्धारी इस सच्चाई को समझते। किसी व्यक्ति की असली पहचान उसके कार्यकाल के आखिरी दिन के बाद शुरू होती है। यही वह क्षण होता है जब आप देखते हैं कि क्या लोग अब भी आपसे मिलने आते हैं, आपकी राय को महत्व देते हैं, गर्मजोशी से आपका स्वागत करते हैं और क्या आपको लगता है कि आपके पास देने के लिए कुछ है। यही वह क्षण होता है जब वह पुरुष या महिला कुर्सी से अलग हो जाता है। जब सेवानिवृत्त उप-सचिव ने अपनी बात समाप्त की तो वे फिर से मुस्कुराए और कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन शांतिपूर्ण था क्योंकि उन्होंने कभी कुर्सी और व्यक्ति को भ्रमित नहीं किया। इसी समझदारी ने उन्हें निराशा के बजाय गरिमा के साथ विदा होने दिया। और शायद यही सबसे बड़ी ताकत है!

नैरेटिव का विकल्प खोजे बिना कैसे हो उद्धार

पिछली बार के चुनावों में महागठबंधन को सबसे ज्यादा ताकत अंग प्रदेश और भोजपुर से मिली थी। शाहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस और माले के साथ महागठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इलाके 22 सीटों में से पिछली बार एनडीए को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन करीब सात गुना बेहतर हुआ है। चाणक्य की धरती के मतदाताओं ने आधुनिक राजनीति के कौटिल्यों को भी हैरत में डाल दिया है। एनडीए की जीत की उम्मीद एक्जिट पोल कर तो रहे थे, लेकिन उन्हें भी इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी। एनडीए की भारी जीत और तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन की करारी हार ने कई राजनीतिक संदेश दिए। समाजवादी गठबंधन के लिए कांग्रेस का साथ पत्थर बांध कर तैरने जैसा हो गया है। जिस भी समाजवादी गठबंधन ने कांग्रेस का हाथ थामा, वह राजनीति के समंदर में डूब गया। इसके पहले उदाहरण बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव हैं। 2017 के विधानसभा चुनावों में यूपी के लड़के के नारे के साथ राहुल गांधी का साथ लेकर अखिलेश चुनावी वैतरणी पार करने उतरे थे, लेकिन भाजपा की लहर में वे डूब गए। 2022 में भी कांग्रेस उनके लिए पतवार नहीं बन सकी। इस बार तेजस्वी के लिए कांग्रेस सहारा नहीं बन पाई। चुनाव नतीजों कुछ वैसे ही हैं, जैसे हम तो डूबे ही सनम, तुझे भी ले डूबेंगे। विपक्षी गठबंधन को अब सोचना होगा कि कांग्रेस का हाथ वह कब और कितना पकड़े कि उसकी सियासी नैया पार लग सके, डूबे नहीं। बिहार के चुनाव नतीजों ने यह भी संदेश दिया है कि राजनीतिक भंवर में अति आत्मविश्वास सामने से आ रही लहरों के मुकाबले का साहस दें, चाहे न दें, उनकी तासीर और ताकत का अंदाजा नहीं लगने देती। तेजस्वी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अति आत्मविश्वास उन्हें ले डूबा। तेजस्वी का अपने शपथ ग्रहण की तारीख तय करना और उसे अति उत्साही अंदाज में लोगों के बीच रखना, एक वर्ग को भले ही अच्छा लगा हो, आम वोटरों को पसंद नहीं आया। रही-सही कसर उनके अति उत्साही नेताओं और कार्यकताओं के मनोबल ने पूरा कर दिया। बिहार की स्थानीय शब्दावली में यह मनोबल नहीं, मनबढ़ होना था। इसने सत्ताधारी एनडीए के जंगलराज के नैरेटिव को उस पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद पहुंचाई, जो जंगलराज के बाद नीतीश के सुशासन राज में पैदा हुई है। जिस तरह स्थानीय चैनलों, यू ट्यूबरों और चुनावी माहौल में कुकुरमुत्तों की तरह कथित मीडिया चैनलों के कैमरों के सामने अठारह-बीस साल वाली लड़कियों तक ने तेजस्वी राज में एक खास वर्ग और जाति से डर की आशंका जताई, उससे साफ हो गया था कि बिहार का चुनावी नजारा क्या रहने जा रहा है। बुजुर्ग महिलाएं और पुरूष जिस तरह जंगल राज की भयावह तसवीरें लोगों के सामने रख रहे थे, उसने भी भावी नतीजों की जानकारी दे दी थी। मीडिया के एक वर्ग ने एनडीए के नैरेटिक के बरक्स तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन का बचाव करने की कोशिशकी। तेजस्वी को उससे अलग दिखाने की कोशिशें भी कम नहीं हुईं। ऐसा करते वक्त तेजस्वी के रणनीतिकार, कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाला बौद्धिक वर्ग भूल गया कि एक बड़ा वर्ग अब भी सक्रिय है, जिसने जंगलराज को देखा है। जैसे-जैसे तेजस्वी के नए विजन को पेश करने की कोशिश की गई, वैसे-वैसे प्रतिक्रिया स्वरूप लोगों में पुराने दिनो के घाव ताजा होते गए। नतीजा सामने है। पिछली बार के चुनावों में महागठबंधन को सबसे ज्यादा ताकत अंग प्रदेश और भोजपुर से मिली थी। शाहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस और माले के साथ महागठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इलाके 22 सीटों में से पिछली बार एनडीए को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन करीब सात गुना बेहतर हुआ है। इस बार एनडीए कुल मिलाकर 14 सीटें जीत रहा है या जीतने के कगार पर है। साफ है कि इस बार शाहाबाद में एनडीए को बारह सीटों का बंपर फायदा हुआ है। शाहाबाद के रोहतासृ सासाराम जिले की सात विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर राजद को जीत मिली है, जबकि दो पर लोकजनशक्ति पार्टी, दो पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और एक पर जनता दल यू को जीत मिली है। इसी जिले में प्रशांत किशोर की गृह सीट करगहर आती है, जहां से उन्होंने भोजपुरी गायक रितेश पांडेय को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे तीसरे स्थान पर रहे। चार सीटों वाले भभुआ में तो राष्ट्रीय जनता दल का तो खाता भी नहीं खुला है। यहां की रामगढ़ विधानसभा सीट आरजेडी के दिग्गज जगदानंद सिंह की मानी जाती है। उनके बक्सर से सांसद बेटे सुधाकर सिंह यहां से विधायक रह चुके हैं। चुनाव के एक दिन पहले यूपी की विधायक पूजा पाल से बदसलूकी के चलते सुधाकर चर्चा में थे। बहरहाल भभुआ की चार में से तीन सीटों पर जहां बीजेपी को जीत मिली है, वहीं एक सीट जनता दल यू के खाते में गई है। इसी तरह शाहाबाद इलाके के बक्सर जिले की चारों सीटों पर एनडीए का कब्जा हुआ है। यहां की दो सीटों पर जनता दल यू, एक पर लोकजनशक्ति पार्टी और एक पर भाजपा को जीत मिली है। शाहाबाद के भोजपुर जिले की सात विधानसभा सीटों में से एक पर माले और एक पर राजद को जीत मिली है। जबकि चार पर भाजपा और एक पर जनता दल यू को सफलता मिली है। इसी तरह लालू के गढ़ सारण में भी एनडीए ने महागठबंधन को भारी शिकस्त दी है। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में जिले की दस विधानसभा सीटों में से छह पर राजद का कब्जा था। लेकिन इस बार नौ सीटों पर एनडीए को जीत मिल रही है। सिर्फ मढ़ौरा से राजद समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली है। सारण प्रमंडल के सीवान जिले में भी महागठबंधन का कोई जादू नहीं चल पाया। जिले की सीवान सीट से राजद के कद्दावर उम्मीदवार और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष अवध बिहारी यादव को बीजेपी के दिग्गज मंगल पांडेय के सामने हार का सामना करना पड़ा है। जिले में आठ विधानसभा सीटें है। जिनमें से पिछली बार यानी 2020 में छह सीटों पर आरजेडी का कब्जा था। लेकिन इस बार यह समीकरण उलट गया है।

बिहार के चुनाव नतीजों ने यह भी संदेश दिया है कि राजनीतिक भंवर में अति आत्मविश्वास सामने से आ रही लहरों के मुकाबले का साहस दें, चाहे न दें, उनकी तासीर और ताकत का अंदाजा नहीं लगने देती। तेजस्वी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अति आत्मविश्वास उन्हें ले डूबा। तेजस्वी का अपने शपथ ग्रहण की तारीख तय करना और उसे अति उत्साही अंदाज में लोगों के बीच रखना, एक वर्ग को भले ही अच्छा लगा हो, आम वोटरों को पसंद नहीं आया। रही-सही कसर उनके अति उत्साही नेताओं और कार्यकताओं के मनोबल ने पूरा कर दिया। बिहार की स्थानीय शब्दावली में यह मनोबल नहीं, मनबढ़ होना था। इसने सत्ताधारी एनडीए के जंगलराज के नैरेटिव को उस पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद पहुंचाई, जो जंगलराज के बाद नीतीश के सुशासन राज में पैदा हुई है। जिस तरह स्थानीय चैनलों, यू ट्यूबरों और चुनावी माहौल में कुकुरमुत्तों की तरह कथित मीडिया चैनलों के कैमरों के सामने अठारह-बीस साल वाली लड़कियों तक ने तेजस्वी राज में एक खास वर्ग और जाति से डर की आशंका जताई, उससे साफ हो गया था कि बिहार का चुनावी नजारा क्या रहने जा रहा है। बुजुर्ग महिलाएं और पुरूष जिस तरह जंगल राज की भयावह तसवीरें लोगों के सामने रख रहे थे, उसने भी भावी नतीजों की जानकारी दे दी थी। मीडिया के एक वर्ग ने एनडीए के नैरेटिक के बरक्स तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन का बचाव करने की कोशिशकी। तेजस्वी को उससे अलग दिखाने की कोशिशें भी कम नहीं हुईं। ऐसा करते वक्त तेजस्वी के रणनीतिकार, कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाला बौद्धिक वर्ग भूल गया कि एक बड़ा वर्ग अब भी सक्रिय है, जिसने जंगलराज को देखा है। जैसे-जैसे तेजस्वी के नए विजन को पेश करने की कोशिश की गई, वैसे-वैसे प्रतिक्रिया स्वरूप लोगों में पुराने दिनो के घाव ताजा होते गए। नतीजा सामने है। पिछली बार के चुनावों में महागठबंधन को सबसे ज्यादा ताकत अंग प्रदेश और भोजपुर से मिली थी। शाहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस और माले के साथ महागठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इलाके 22 सीटों में से पिछली बार एनडीए को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन करीब सात गुना बेहतर हुआ है। इस बार एनडीए कुल मिलाकर 14 सीटें जीत रहा है या जीतने के कगार पर है। साफ है कि इस बार शाहाबाद में एनडीए को बारह सीटों का बंपर फायदा हुआ है। शाहाबाद के रोहतासृ सासाराम जिले की सात विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर राजद को जीत मिली है, जबकि दो पर लोकजनशक्ति पार्टी, दो पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और एक पर जनता दल यू को जीत मिली है। इसी जिले में प्रशांत किशोर की गृह सीट करगहर आती है, जहां से उन्होंने भोजपुरी गायक रितेश पांडेय को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे तीसरे स्थान पर रहे। चार सीटों वाले भभुआ में तो राष्ट्रीय जनता दल का तो खाता भी नहीं खुला है। यहां की रामगढ़ विधानसभा सीट आरजेडी के दिग्गज जगदानंद सिंह की मानी जाती है। उनके बक्सर से सांसद बेटे सुधाकर सिंह यहां से विधायक रह चुके हैं।

भारत की जनजातीय विरासत और वीरों का उत्सव

सी.पी.राधाकृष्णन

एक दशक पहले, भारत में आदिवासी शब्द सुनते ही अक्सर अभावों, स्कूलों से वंचित दूर-दराज के गांवों, पानी के लिए मीलों पैदल चलने वाली माताओं और अवसरों की तलाश में जंगल छोडने वाले युवाओं की छवियां उभरती थीं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह कहानी अस्तित्व की कहानी से बदलकर सफलता की कहानी बन गई है। जिसे कभी भारत का भूला हुआ सीमांत माना जाता था, वह अब विकास और गौरव के सबसे जीवंत इंजनों में से एक बन गया है। पहली बार, आदिवासी सशक्तिकरण एक नारा नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और अवसर से प्रेरित एक आंदोलन है। भगवान बिरसा मुंडा द्वारा संचालित उलगुलान आंदोलन यह सिद्ध करता है कि जनजातीय आंदोलन केवल अलग-अलग संग्राम नहीं थे बल्कि औपनिवेशक अत्याचार के विरुद्ध संगठित प्रतिप्रवाह थे। हाशिए से मुख्यधारा तक रू जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था तब भारत में आदिवासी विकास एक सीमित ढांचे में संचालित होता था, केवल 4,498 करोड़ रुपए के बजट वाला एक मंत्रालय। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण एक राष्ट्रव्यापी मिशन में बदल गया है। आज, 42 मंत्रालय अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के माध्यम से जनजातीय कल्याण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। इस योजना के तहत कुल जनजातीय-केंद्रित व्यय में 5 गुना वृद्धि हुई है जो 2014 में 24,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 1.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट तीन गुना बढ़कर 13,000 करोड़ रुपए हो गया है जो समावेशी विकास के प्रति सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान ने भारत की जनजातीय विकास यात्रा में एक नए युग की शुरूआत की है। 79,156 करोड़ रुपए के परिव्यय और 17 मंत्रालयों के संयुक्त प्रयासों से, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का लक्ष्य 2029 तक 63,843 जनजातीय-बहुल गांवों और 112 आकांक्षी जिलों को आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कनैक्टिविटी में लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करना है।केवल एक वर्ष में, इसका प्रभाव जनजातीय गढ़ में दिखाई दे रहा है--4 लाख से अधिक पक्के घर बनकर तैयार हो चुके हैं।-लगभग 700 छात्रावास बनाए जा रहे हैं। -70 मोबाइल चिकित्सा इकाइयां अब दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच रही हैं।- 26,500 से अधिक गांवों में पाइप से पेयजल की सुविधा उपलब्ध है जबकि 8,600 से अधिक घरों में बिजली कनैक्शन उपलब्ध हैं।-लगभग 2,200 गांव अब मोबाइल नैटवर्क से जुड़ चुके हैं और 280 से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्र प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और पोषण को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, प्रधानमंत्री 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैंताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सबसे दूरस्थ समुदाय भी पीछे न छूटें। 24,104 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह मिशन कई मोर्चों पर समावेशी प्रगति को गति दे रहा है रू -90,000 से ज्यादा पक्के घर बनाए गए हैं और 92,000 से ज्यादा घरों का विद्युतीकरण किया गया है।- घर-घर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए लगभग 700 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को मंजूरी दी गई है।-लगभग 6,700 गांवों को पाइप से पानी की सुविधा मिल चुकी है और 1,000 आंगनवाड़ी केंद्र अब कार्यरत हैं। ये दोनों प्रमुख मिशन मिलकर मोदी सरकार के इस संकल्प को दशार्ते हैं कि कोई भी गांव दूर नहीं है और कोई भी समुदाय देश की प्रगति में भाग लेने के लिए छोटा नहीं है, जिससे विकसित भारत का सपना जमीनी स्तर पर साकार हो रहा है। 2013-14 में, आदिवासी बच्चों के लिए अवसर कम थे केवल 119 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय लगभग 34,000 छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे और सीमित वित्तीय सहायता के कारण कई लोगों के सपने अधूरे थे। एक दशक बाद, तस्वीर बिल्कुल अलग है। 2025 तक, भारत में 479 ई.एम.आर.एस. होंगे जो 1,38 लाख युवाओं के मस्तिष्क का पोषण करेंगे, जिनमें से कई देश के सुदूर कोनों से आए पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। इस परिवर्तन में योगदान देते हुए, सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 22,000 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी आदिवासी छात्र पीछे न छूटे। आज, लगभग 30 लाख आदिवासी छात्र हर साल छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं।

यह 200 पार तो 400 पार का मिटाएगा दर्द

अकु श्रीवास्तव

बिहार चुनाव के नतीजे केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और जनता दल यूनाइटेड जद-(यू) के लिए उम्मीद से बढ़कर हैं। एग्जिट पोल जो जीत बता रहे थे उससे भी कहीं बढ़कर हैं। वह भी तब जब गृहमंत्री अमित शाह खुद इस गठबंधन के लिए अधिकतम 160 सीटों की जीत की संभावना बता चुके थे। इस बार तो भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) 243 सदस्यीय विधानसभा में 200 सीटें पार कर गया है। यह 200 पार भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव के नारे अब की बार 400 पार के नारे को पूरा न हो पाने की तकलीफ को कम करता है। बिहार में भाजपा और राजग गठबंधन की जीत से कई संदेश निकले हैं। माना जा रहा है कि एन.डी.ए. की जीत में महिलाओं की बड़ी भूमिका रही ही है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने वोट भी खूब किया। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों की मानें तो पुरुषों की तुलना में मतदान करने वाली महिलाओं की संख्या बिहार चुनाव में 8.15 फीसदी ज्यादा रही। इस बार मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.96 फीसदी रही जबकि 71.78 फीसदी महिलाएं वोट डालने निकलीं। भले ही कुल आबादी में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से कम है मगर उन्होंने पुरुषों की तुलना में ज्यादा वोटकर जनादेश को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ दिया। बिहार के कुल 7.45 करोड़ मतदाताओं में 3.93 करोड़ पुरुष और 3.51 करोड़ महिलाएं हैं। महिलाओं की आर्थिक समृद्धि की ओर नीतीश सरकार का ध्यान पहली बार की सत्ता यानी 2005 से ही रहा है। सबसे पहले उन्होंने

आध्थक रूप से पिछड़ी महिलाओं के लिए जीविका नाम की योजना शुरू की थी जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम थी। इसके बाद शराब बंदी ने महिलाओं के बीच नीतीश कुमार की लोकप्रियता को बढ़ाया और अब चुनाव के ठीक पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर किए। पहले 75 लाख महिलाओं के खाते में यह पैसा डाला गया और उसके बाद यह आंकड़ा बढ़कर 1.5 करोड़ तक हो गया। वैसे विपक्ष यह आरोप लगाता रहा है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद भी महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। चुनाव आयोग के पास इसकी शिकायत भी गई मगर उसने इसे ऑनगोइंग स्कीम कहा। आयोग ने यह भी कहा कि जब एक बार योजना शुरू हो जाती है तो उसको रोकने का काम उसका नहीं है। यह महिलाओं के लिए काफी आशाजनक था और एक तरह से महिलाओं ने 6 नवम्बर को पहले चरण और 11 नवम्बर को दूसरे चरण के मतदान में भर-भर के वोट दिए। मतदान केंद्रों पर महिलाओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। इन कतारों ने बिहार की तस्वीर बदल दी। बिहार में यह भाजपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह अकेले दम पर 90 से ज्यादा सीटों पर कब्जा कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 74 सीटें अवश्य जीती थीं, मगर राजद 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ा दल रहा था। 2010 के विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ने 91 सीटों पर कब्जा किया था। इस बार आसार इस सीमा को पार कर लेने के हैं। लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना जरूरी माना जाता है लेकिन इस चुनाव में तो ऐसा नहीं दिख रहा। राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के प्रभुत्व वाले महागठबंधन में नेतृत्वहीनता और समन्वय की कमी साफ दिखी। आप इसका पूरा दोष तेजस्वी यादव और कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी पर लगा सकते हैं। यूं तो राहुल गांधी ने अपनी बिहार यात्रा के शुरूआती दौर में कुछ उम्मीदें जताई थीं लेकिन बाद में उन उम्मीदों पर पानी फि र गया जब वह यात्रा करने के लगभग एक माह तक चुनावी परिदृश्य से नदारद रहे। इसी दौरान चुनाव के शुरूआती दौर में राजद और कांग्रेस के बीच नेतृत्व और चेहरे को लेकर विवाद हुआ। उसे मतदाताओं ने गंभीरता से लिया। गठबंधन के तमाम सहयोगी दलों में सीटों को लेकर खींचतान चलती रही। महागठबंधन के नेता नए समीकरणों को समझने में पूरी तरह चूक गए। कांग्रेस पार्टी में टिकट वितरण को लेकर भी खुलकर नाराजगी जताई गई। टिकट बेचने के आरोप लगे और पूरे समीकरण बिगड़ गए। प्रशांत किशोर ने पूरे बिहार में घूम-घूम कर जो मुद्दे खड़े करने की कोशिश की थी, उनका शुरूआती असर तो देखने को मिला। लेकिन उनकी जनसुराज पार्टी का प्रदर्शन बता रहा है कि बेरोजगारी, पलायन और विकास जिसे प्रशांत किशोर बिहार में बहुत बड़ा मुद्दा समझ रहे थे, बहुत आगे तक नहीं ले जा सके।

फिर राजग का बिहार

बेहद जटिल सामाजिक परिस्थितियों वाले देश के बड़े राज्य बिहार का महासंग्राम आखिरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीत ही लिया। एनडीए ने बिहार में विपक्ष के महागठबंधन को करारी शिकस्त दी है। यह जीत पिछले साल महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन द्वारा महाविकास अघाड़ी को करारी शिकस्त देने जैसी ही है। चौंकाने वाली बात यह है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने उस राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की है, जहां अभी तक उसका अपना मुख्यमंत्री नहीं रहा है। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू ने तमाम मुश्किलों को पार करते हुए सम्मानजनक दूसरा स्थान हासिल किया है। चुनाव से पहले नीतीश कुमार महागठबंधन के नेताओं के निशाने पर थे। उन्हें थका हुआ, बीमार और रिटायर होने वाला राजनेता बताया जा रहा था। कहा जा रहा था कि भाजपा ने नीतीश कुमार को पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया। नीतीश कुमार के जो आलोचक उनकी विदाई लेख लिखने की जल्दी में थे, उन्हें चुनाव परिणामों के बाद मुंह की खानी पड़ रही है। जनता के फैसले ने बीते 2020 के विधानसभा चुनाव मे सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले राष्ट्रीय जनता दल यानी राजद को इस बार तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। बहरहाल, इस विधानसभा चुनाव के एकतरफा नतीजों का एक निष्कर्ष यह भी है कि सत्ता के लिये भाजपा व जदयू को एक साथ ही रहना होगा। जैसे कि नीतीश के पाला बदलने के चलते उन्हें पलटू राम की संज्ञा दी जाती थी, उसकी संभावना अब नजर नहीं आती। यानी नीतीश कुमार अब पलटू राम वाले अंदाज में नहीं चल सकते। उन्हें इस बात की तसल्ली मिल सकती है कि भारतीय जनता पार्टी, जिसके पास लोकसभा में पूर्ण रूप से बहुमत नहीं है, वह केंद्र में सरकार बचाने के लिये भविष्य में जदयू पर निर्भर रहेगी। दरअसल, राजनीतिक पंडित कयास लगाते रहे हैं कि नीतीश कुमार को किनारा करने की भगवा पार्टी की कोई भी कोशिश सत्तारूढ़ गठबंधन के लिये मुश्किल खड़ी कर सकती है। वहीं कहा जाता रहा है कि चिराग पासवान एनडीए की कमजोरियों का फायदा उठाने से नहीं हिचकिचाएंगे। हालांकि, भाजपा नीतीश कुमार को बाहर करने के प्रलोभन का ज्यादा देर विरोध नहीं कर पाएगी, जैसा उसने महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे के साथ किया था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत ने महागठबंधन को तार-तार कर दिया है। साथ ही पदयात्रा व अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले प्रशांत किशोर की नई सुबह की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। बिहार चुनाव में पस्त हुए महागठबंधन के दलों के सामने अगले साल विपक्ष शासित राज्य पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले फिर से संगठित होने की एक बड़ी चुनौती होगी। ये वे तीन विपक्षी दुर्ग हैं जिनमें सत्ता हासिल करने के लिये भारतीय जनता पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बहरहाल, एक बात तो माननी पड़ेगी बिहार में राजग की अप्रत्याशित जीत सारथी नरेंद्र मोदी की छवि, गृहमंत्री अमित शाह की नीति-कूटनीति, भाजपा के मजबूत संगठन, नीतीश कुमार की सामाजिक कल्याण की नीतियों की देन है। वहीं ऐन चुनाव से पहले एकजुट हुए महागठबंधन की विसंगतियां ही उसके पराभाव का कारक बनी। बहरहाल, राजग की महिलाओं को आर्थिक संबल की घोषणाओं, नीतीश की शराबबंदी आदि नीतियां महिला मतदाताओं को रिझाने में कामयाब रही हैं। यही वजह है कि महिला मतदाताओं ने इस विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान किया। यह प्रतिशत बिहार के मतदान इतिहास में रिकॉर्ड बनाने वाला था और चुनाव परिणाम भी उतने ही अप्रत्याशित रहे। बहरहाल, एक बार फिर जनतंत्र की भूमि ने अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से देश को चौंकाया है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा नरेंद्र मोदी ने कहा भी कि जिस एमवाई समीकरण को विपक्ष ने संकीर्णताओं के साथ पेश किया था, भाजपा ने उस एमवाई समीकरण को सकारात्मक दृष्टि से महिला व युवा गठजोड़ में तब्दील कर दिया।

एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, चोट के कारण ये तेज गेंदबाज पहले टेस्ट से हुआ बाहर

पर्थ (एजेंसी)। हेजलवुड शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए न्यू साउथ वेल्स टीम से हट गए थे। स्कैन से पता चला है कि उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहला बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए न्यू साउथ वेल्स टीम से हट गए थे। स्कैन से पता चला है कि उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया ने माइकल नेसर को टीम में शामिल किया है। नेसर हेजलवुड और सीन एबॉट के कवर के तौर पर टीम से जुड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में बताया, जोश हेजलवुड का दोबारा स्कैन हुआ, जिससे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की पुष्टि हुई है। बुधवार को हुए शुरूआती स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव नहीं पाया गया था, लेकिन अब स्कैन में चोट की पुष्टि हो गई है।

करिश्मा कपूर की बेटी समायरा का प्रिया कपूर पर बड़ा आरोप- 2 महीने से नहीं भरी फीस

कोर्ट ने लगाई फटकार

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद बढ़ता जा रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट में 14 नवंबर को हुई सुनवाई में संजय की बेटी समायरा कपूर और उनकी दूसरी पत्नी प्रिया कपूर आमने-सामने आ गईं। कोर्ट में समायरा ने दावा किया कि वे अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन उनकी दो महीने की फीस अभी तक जमा नहीं हुई है। समायरा ने यह भी कहा कि बच्चों की पढ़ाई और रहने का खर्च संजय कपूर की जिम्मेदारी थी, जैसा कि तलाक समझौते में तय किया गया था। इस दावे पर प्रिया कपूर ने समायरा के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि समायरा के कथन सत्य नहीं हैं और यह मामला सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान जज ने इस पूरे विवाद पर नाराजगी जताई और कहा कि अदालत में इस तरह के मुद्दों को मेलोड्रामैटिक नहीं बनाना चाहिए। जज ने स्पष्ट किया कि इस मामले में लंबी बहस की जरूरत नहीं है और भविष्य में इस तरह के दावे दोबारा नहीं आने चाहिए। संजय कपूर का 12 जून को लंदन में हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया था। दिल का दौरा पोलो खेलते समय एक मधुमक्खी निगलने के बाद आया था। उनके निधन के बाद बच्चों समायरा और कियान ने प्रिया कपूर के खिलाफ वसीयत में संभावित गड़बड़ी और जालसाजी का आरोप लगाते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। अब कोर्ट इस मामले में फैसला करेगा कि प्रिया कपूर को संजय कपूर की संपत्ति के संचालन और बिक्री से रोकना चाहिए या नहीं। कपूर परिवार के इस संपत्ति विवाद ने बॉलीवुड की चमक-दमक के बीच कानूनी ड्रामे को भी सामने ला दिया है।

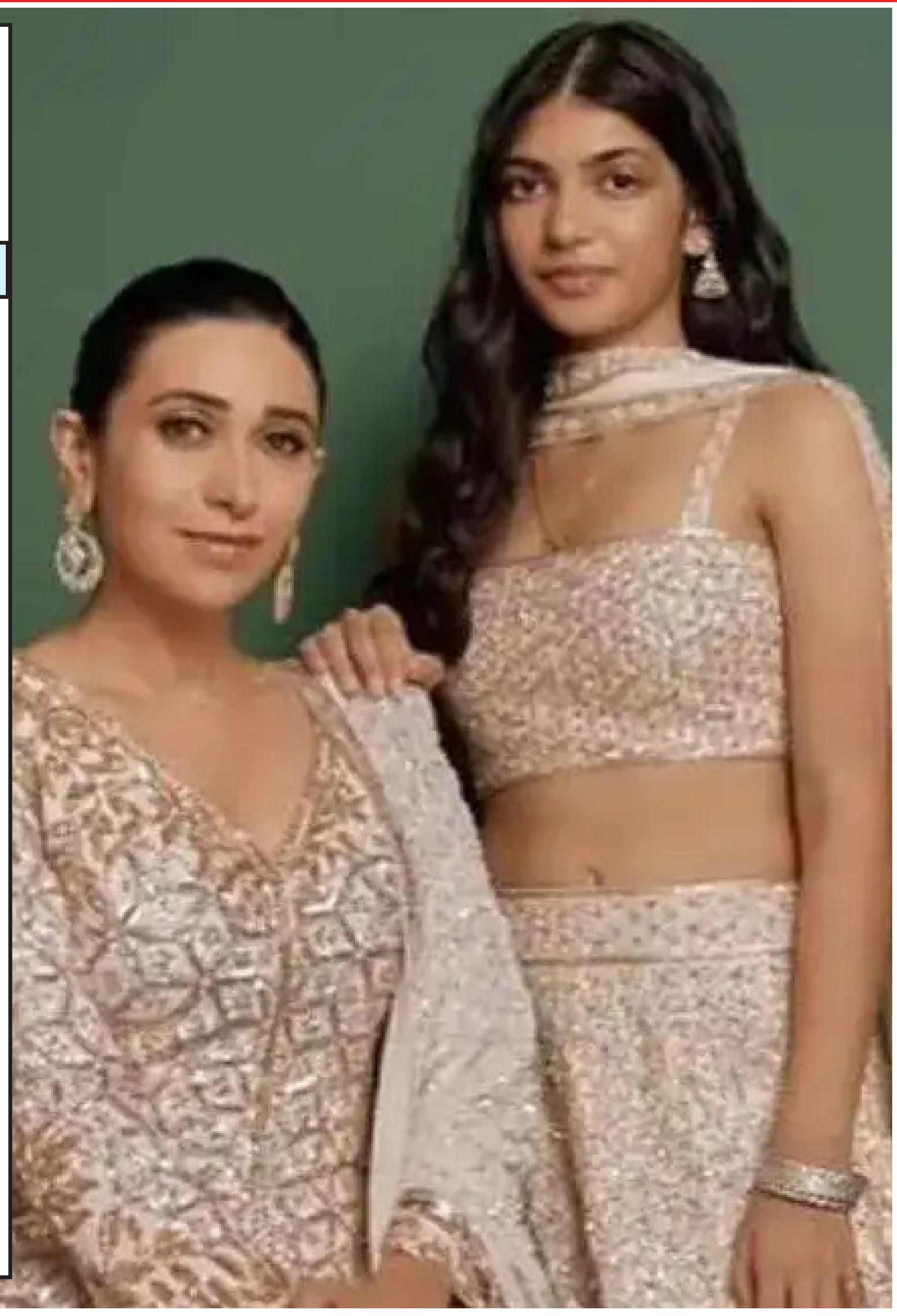

मुझे ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, दिल्ली क्राइम 3 में खुद की भूमिका पर हुमा कुरैशी ने दी प्रतिक्रिया

अभिनत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई सीरीज दिल्ली क्राइम के तीसरे सीजन से चर्चा में हैं। इसमें एक्ट्रेस ने नकारात्मक भूमिका निभाई है, जिसे लेकर उन्होंने अपनी राय रखी है। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों ओटीटी पर छाई हुई हैं। पहले महारानी 4 और अब दिल्ली क्राइम सीरीज के तीसरे सीजन से वो सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने इसमें ग्रे शेड रोल में मुख्य भूमिका निभाई है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इन रोल्स को करने के लिए उन्हें सुझाव भी आए थे। पढ़िए उन्होंने क्या कहा। मुझे बुरे किरदार करने को कहा गया था अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने 'दिल्ली क्राइम 3' में अपने किरदार के बारे में पीटीआई से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैंने ग्रे किरदार निभाए हैं, मुझे हल्के-फुल्के ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, लेकिन यह डार्क है, जितना डार्क हो सकता है उतना डार्क और शानदार भी। मेरे कलाकारों ने मुझसे कहा था कि बुरे किरदार करो। इसलिए मैंने इसे प्रशंसा के तौर पर लिया। किरदार को वास्तविक बनाने का प्रयास किया आगे उन्होंने कहा, हमने अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के बारे में सोचा। चाहे वह हरियाणवी का उपयोग करने की कोशिश हो क्योंकि हम उसे एक बहुत ही वास्तविक व्यक्ति बनाना चाहते थे, न कि केवल एक कार्डबोर्ड जैसा फिल्मी विलेन। खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं हुमा आगे बातचीत में हुमा कुरैशी ने बोला, मैं सौभाग्य से उन लोगों में से हूं, जिन्हें किसी खास माहौल में रहने, संगीत सुनने या कोई खास परफ्यूम लगाने की जरूरत नहीं होती। मुझे बस शॉट से पहले 10 सेकंड का मौन रखना होता है, और मैं तैयार हो जाती हूं। फिर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक प्रक्रिया से कहीं ज्यादा है, सेट पर पहुंचने से बहुत पहले ही मेरा होमवर्क हो जाना चाहिए, यानी स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ना और यह समझना कि मैं क्या कर रही हूं। फिर एक्शन और कट के बीच, खुद को रोकने की कोशिश न करते हुए, उस पल के आगे समर्पण कर देना चाहिए।' 'दिल्ली क्राइम' सीजन 3 के बारे में इस सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा द्वारा किया गया है। इसमें हुमा कुरैशी ने मीना के रूप में विलने का किरदार निभाया है, जिन्हें बड़ी दीदी के नाम से भी जाना जाता है। मीना मानव तस्करी नेटवर्क की एक शक्तिशाली हस्ती है। इसमें हुमा कुरैशी के अलावा शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तैलंग जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। यह सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

वर्कआउट करने के कारण..., गोविंदा की बिगड़ी तबीयत पर पत्नी सुनीता अहुजा ने दिया हेल्थ अपडेट

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा हाल ही में अपने घर पर अचानक बेहोश हो गए थे, जिसके बाद उन्हें तुरंत मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने शुरूआती जांच की और स्थिति स्थिर होने पर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज भी कर दिया। इस घटना के बाद फैन्स लगातार उनकी सेहत को लेकर चिंतित थे। अब उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने खुद एक्टर की तबीयत पर विस्तृत जानकारी दी है। सुनीता आहूजा ने अपने नए यूट्यूब व्लॉग में बताया कि गोविंदा अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि एक्टर अपनी आने वाली फिल्म दुनियादारी की तैयारी में काफी मेहनत कर रहे थे। उसी दौरान जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करने के कारण उन्हें थकावट हो गई और वह अचानक बेहोश हो गए, फिलहाल वह बिल्कुल ठीक हैं और किसी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। सुनीता ने यह भी बताया कि उन्हें हॉस्पिटल वाली जानकारी मीडिया से हुई बातचीत के दौरान मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, घर पर बेहोश होने के बाद डॉक्टर से फोन पर सलाह ली गई और प्रारंभिक दवाइयां दी गईं। हालांकि, रात करीब 1 बजे एहतियातन उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा ताकि पूरी जांच की जा सके। अगले दिन गोविंदा को डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से बाहर आने के बाद एक्टर ने मीडिया से भी बात की। वे ब्लेजर, टर्टल नेक टी-शर्ट और सनग्लासेस में नजर आए और पूरी तरह नॉर्मल दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी क्षमता से ज्यादा ट्रेनिंग कर ली थी, जिसके चलते यह हालत बनी। गोविंदा ने कहा, श्योग और प्राणायाम बहुत फायदेमंद हैं। मैं खुद इसका लाभ ले रहा हूं। सभी को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। लंबे समय बाद गोविंदा फिल्म श्दुनियादारीश से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन फैन्स उनकी कमबैक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

एक्टर पर टूटा दुखों का पहाड़, स्प्लिट्सविला और बिग बॉस फेम प्रियांक शर्मा के पिता का हुआ निधन, शेयर किया इमोशनल पोस्ट

टीवी जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। रियलिटी शो स्प्लिट्सविला और बिग बॉस 11 से प्रसिद्धि पाने वाले अभिनेता प्रियांक शर्मा के पिता का 14 नवंबर को देहांत हो गया। अभिनेता ने खुद सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की, जिसके बाद इंडस्ट्री

के कई सितारों और उनके फैंस ने शोक व्यक्त किया। प्रियांक शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिता की एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पिता चेयर पर बैठे हैं और प्रियांक उनके पीछे खड़े हैं। इस फोटो के साथ उन्होंने एक दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा, आप अच्छे से सोना मेरे पापा, मैं आपको बहुत ज्यादा मिस करूंगा। मैं उम्मीद करता हूं कि एक दिन मैं आपको गर्व महसूस करवा सकूं। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। (1966 जव 2025)। प्रियांक की इस दुखद पोस्ट पर उनके साथ स्प्लिट्सविला में जोड़ी बनाने वाली और एक्स-गर्लफ्रेंड दिव्या अग्रवाल ने तुरंत कमेंट किया। दिव्या ने प्रियांक का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, खुद को मजबूत रखो। दिव्या अग्रवाल के अलावा बॉलीवुड एक्टर नील नितिन मुकेश ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, ष्प्रियांक माय डियर तुम्हारे और तुम्हारे परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं। कोरियोग्राफर और एक्टर शांतनु माहेश्वरी ने भी अपनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, तुम्हारे इस पर्सनल लॉस के लिए सॉरी भाई, खुद को मजबूत रखना। ओम शांति। प्रियांक शर्मा अपने पिता के काफी करीब थे। उन्होंने 5 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर भी एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, हैप्पी बर्थडे डैड..आई लव यू द मोस्ट।

राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर गूंजी किलकारी, शादी की चौथी सालगिरह पर मिली खुशखबरी

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल राजकुमार राव और पत्रलेखा की खुशियाँ अब दोगुनी हो गई हैं! शादी के चार साल बाद ये जोड़ी अब अपने पहले बच्चे के माता-पिता बन गई है। 15 नवंबर को अपनी शादी की चौथी सालगिरह के मौके पर, दोनों

ने एक खुशखबरी साझा करते हुए बताया कि उनके घर किलकारी गूंजी है और अब वे एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बन चुके हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया के जरिए इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ साझा किया। इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमारी चौथी शादी की सालगिरह पर हमें जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा मिला है। अब हम एक बेबी गर्ल के माता-पिता हैं, और यह हमारे जीवन का सबसे खूबसूरत पल है।ष्इस प्यारी सी खबर के बाद राजकुमार और पत्रलेखा के फैंस और बॉलीवुड के सितारों से शुभकामनाओं का तांता लग गया है। यह तारीख दोनों के लिए और भी खास है, क्योंकि 15 नवंबर को ही उनकी शादी को चार साल पूरे हुए हैं। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट पर फैंस ने ढेर सारी शुभकामनाएँ दी हैं, और ये कपल खुशी से इस नए सफर को शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित है।

अपने जीवन की पहली कमाई पाकर भावुक हो गईं थीं हरमनप्रीत, पिता को सौंपा था चेक; सुनाई दास्तां

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत के दौर में खिलाड़ियों को एक टूर के लिए एक लाख रुपये फीस मिलती थी और टीडीएस कटने के बाद यह राशि करीब 90,000 रुपये रह जाती थी। उन्होंने कहा, 'यह मेरी पहली कमाई थी, इसलिए मुझे लगा जैसे मैं दुनिया की सबसे अमीर इंसान हूं।' भारतीय महिला टीम की कप्तान और हाल ही में विश्व कप जीतने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए भावुक होकर कहा कि उस समय उन्हें लगा था जैसे वह दुनिया की सबसे अमीर इंसान हैं। पीटीआई मुख्यालय में अपनी क्रिकेट यात्रा पर बातचीत करते हुए हरमनप्रीत की आंखें उस पल को याद कर नम हो गईं। 90 हजार थी पहली कमाई हरमनप्रीत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत के दौर में खिलाड़ियों को एक टूर के लिए एक लाख रुपये फीस मिलती थी और टीडीएस कटने के बाद यह राशि करीब 90,000 रुपये रह जाती थी। उन्होंने कहा, 'यह मेरी पहली कमाई थी, इसलिए मुझे लगा जैसे मैं दुनिया की सबसे अमीर इंसान हूं।'

'स्नान के समय पानी नाक में न जाए..'

दिमागी बुखार के खतरे के बीच सरकार ने जारी की एडवाइजरी

पठानमथिट्टा (केरल) (एजेंसी)। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को सबरीमाला जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया है कि नदी में नहाते समय नाक पानी में न जाए। राज्य में हाल ही में अमीबिक मेनिंगोएंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) के मामले सामने आए हैं। इसी बीच सबरीमाला की सालाना यात्रा 17 नवंबर से शुरू हो रही है। विभाग ने कहा कि जिन श्रद्धालुओं का उपचार चल रहा है, वे यात्रा के दौरान अपने चिकित्सा दस्तावेज और दवाइयां साथ रखें। इसमें यह भी कहा गया कि जो लोग रोजाना दवाइयां लेते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान दवाइयां बंद नहीं करनी चाहिए। एडवाइजरी में कहा गया है कि नदी में नहने वाले श्रद्धालु ध्यान रखें कि पानी उनकी नाक में बिल्कुल न जाए।

हालांकि, एडवाइजरी में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि नदी में नहाते समय सावधानी क्यों जरूरी है। लेकिन हाल ही में केरल में दिमागी बुखार के कई मामले सामने आने पर ऐसी ही हिदायत दी गई थी। यात्रा शुरू होने से पहले श्रद्धालुओं को टहलने जैसा हल्का व्यायाम करने की सलाह दी गई है, ताकि चढ़ाई करते समय उन्हें ज्यादा थकान न हो। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे धीरे-धीरे चढ़ें, बीच-बीच में आराम करें और अगर थकान, सीने में दर्द, सांस फूलना या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर की मदद लें। आपातकाल की स्थिति में 04735 203232 पर संपर्क किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि श्रद्धालु केवल उबला हुआ पानी ही पिएं, खाने से पहले हाथ धोएं, धुले हुए फल खाएं और बासी या खुले में रखे भोजन से बचें। खुले में शौच पूरी तरह मना है। श्रद्धालुओं को शौचालय का ही इस्तेमाल करना चाहिए औबद में हाथ अच्छी तरह धोने चाहिए। कचरा केवल तय जगहों पर ही फेंका जाए। अगर किसी को सांप काट ले, तो सलाह है कि वह तुरंत चिकित्सा सहायता ले। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा? राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर और प्रशिक्षित स्वयंसेवी स्वास्थ्यकर्मियों को यात्रा मार्गों पर तैनात किया गया है। पंपा में 24 घंटे काम करने वाला नियंत्रण केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा, जो भी यात्री चढ़ाई के दौरान किसी तरह की परेशानी महसूस करें, उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार लेना चाहिए। जानकारी देने वाले सामग्री मलयालम, अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सहित कई भाषाओं में तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के सहयोग से पूरी तरह चिकित्सा सुविधाएं तैयार की गई हैं। पंपा से सन्निधानम तक मार्ग में आपातकालीन चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं और कोन्नी मेडिकल कॉलेज को बेस अस्पताल बनाया गया है।

दोनों देशों के बीच इस्तांबुल में तीसरे दौर की बातचीत भी विफल, आतंकवाद पर समझौता नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने पुष्टि की है कि अफगानिस्तान के साथ उसके संबंध स्टेलमेट पर पहुंच गए हैं। आतंकवाद

पर तीन दौर की वार्ता विफल रही, जबकि पाकिस्तान ने अफगान सरजमीं से हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई है। पाकिस्तान ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि अफगानिस्तान के साथ उसके रिश्ते इस समय 'स्टेलमेट' की स्थिति में हैं। इस्तांबुल में 7 नवंबर को हुई तीसरे दौर की वार्ता भी आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समाधान नहीं दे पाई। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में कोई प्रगति नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा आप इसे स्टेलमेट कह सकते हैं। बातचीत में डेडलॉक है, लेकिन पाकिस्तान संवाद के माध्यम से मतभेद दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। अफगान सरजमीं से जारी आतंकवादी हमले अंद्राबी ने दोहराया कि अफगान की जमीन से चल रहे आतंकवादी हमलों में पाकिस्तानी नागरिक और सुरक्षा बल लगातार मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा हालात ऐसे हैं कि हम इन हमलों को अनदेखा नहीं कर सकते। टीटीपी और अन्य आतंकी तत्व अफगानिस्तान से हमले कर रहे हैं। सीमावर्ती संघर्ष और युद्धविराम पर अनिश्चितता प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर युद्धविराम की स्थिति स्पष्ट नहीं है, क्योंकि सीमा बहुत लंबी है और घटनाएं आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि हालात लगातार चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को कई व्यापारिक रियायतें देने का दावा किया, लेकिन कहा कि तालिबान सरकार ने सकारात्मक जवाब नहीं दिया। अंद्राबी ने कहा जब तक अफगानिस्तान अपनी जमीन पर सक्रिय पाकिस्तान-विरोधी तत्वों पर कार्रवाई नहीं करता, व्यापार और ट्रांजिट आगे नहीं बढ़ सकता। मानव जीवन का महत्व किसी भी व्यापार से अधिक है। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे अफगान नागरिकों को व्यवस्थित तरीके से सीमा तक भेजा जा रहा है। तुर्किये, ईरान और रूस की मध्यस्थता का स्वागत जब तुर्किये के मध्यस्थता प्रयासों पर पूछा गया तो अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान इन प्रयासों की सराहना करता है।

रिटर्न गिफ्ट मॉडल ने बदले समीकरण, बिहार में आधी आबादी ने लिखा नया जनादेश

बिहार (एजेंसी)। बिहार चुनाव के जरिए महिलाओं ने सियासत की नई पटकथा लिखी है। आधी आबादी ने जनादेश के जरिये साफ कर दिया है कि वह अब सियासत का सबसे भरोसेमंद, सबसे मजबूत और सबसे नया वोट बैंक है। ऐसा वोट बैंक, जो अपने जीवन की राह आसान करने वाले फैसलों, नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का जाति-धर्म के बंधन से ऊपर उठकर तत्काल, सुनिश्चित और जबर्दस्त रिटर्न गिफ्ट देता है। लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और

झारखंड के चुनावों और अब बिहार के नतीजों ने इसे साबित किया है। पिछले विधानसभा चुनाव में, जब इन्हीं महिला मतदाताओं को लगा कि नीतीश सरकार संकट में है, तो वे उसके समर्थन में चट्टान की तरह डट गईं। यही आधी आबादी इस बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रचंड बहुमत का कारण बनी। सीएम स्वरोजगार योजना के तहत 1.20 करोड़ महिलाओं को मिली दस हजार रुपये की सहायता और जीविका दीदी-सहायिकाओं के मानदेय में वृद्धि के फैसले के बाद महिलाओं ने एनडीए को तीन चौथाई बहुमत का रिटर्न गिफ्ट दिया। जाति-धर्म की डोर तोड़ते हुए पुरुषों के मुकाबले नौ फीसदी अधिक मतदान कर सत्तारूढ़ एनडीए की जीत पर उठ रहे सवालों को पीछे छोड़ दिया। हर योजना का योगदान महिलाओं को सशक्त वोट बैंक बनाने में कई योजनाओं ने अहम भूमिका निभाई। मसलन, शराबबंदी योजना से राज्य में घरेलू हिंसा में कमी आई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कामकाज में पारदर्शिता की भारत की दो-टूक मांग, इस प्रक्रिया पर उठाए सवाल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने कहा कि सुरक्षा परिषद और महासभा में बेहतर समन्वय होना चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि यूएनएससी की सालाना रिपोर्ट पर महासभा में होने वाली चर्चा केवल औपचारिकता न बनकर, रिपोर्ट को विश्लेषणात्मक और उपयोगी बनाया जाए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की जोरदार मांग की है। न्यूयॉर्क में शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) 'कार्य पद्धतियां' पर आयोजित यूएनएससी की खुली बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है, इसलिए इसके कामकाज का ईमानदार, स्पष्ट और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। सूचीकरण प्रक्रिया पर सवाल हरीश ने कहा कि यूएनएससी की कई सहायक संस्थाओं का कामकाज अभी भी अस्पष्ट है। खासकर आतंकियों व प्रतिबंधित संस्थाओं को सूचीबद्ध करने के प्रस्तावों को खारिज किए जाने की प्रक्रिया बहुत 'धुंधली' है। उन्होंने बताया कि जिस तरह डीलिस्टिंग (सूची से हटाने) का निर्णय स्पष्ट रूप से दर्ज होता है, उसी तरह सूचीकरण प्रस्तावों को खारिज किए जाने की जानकारी सार्वजनिक नहीं होती। उन्होंने कहा, 'जो देश सुरक्षा परिषद में नहीं हैं, उन्हें तो इस प्रक्रिया की कोई जानकारी ही नहीं मिलती।' चेरमैनशिप और पेन-होल्डरशिप पर चेतावनी भारत ने यह भी कहा कि यूएनएससी की समितियों और सहायक संस्थाओं के चेयर और पेन-होल्डर पद जिम्मेदारी वाले पद हैं, जिन्हें किसी भी तरह के स्वार्थ या टकराव से दूर रखा जाना चाहिए। हरीश ने कहा, 'जिन देशों के हित टकरा रहे हों, उन्हें इन पदों की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है।' यूएनएससी सुधार की जरूरत दोहराई भारत ने सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की अपनी पुरानी मांग को दोहराया। हरीश ने कहा कि आठ दशक पुराना यूएनएससी ढांचा बदलते समय और नई चुनौतियों के लिए अब फिट नहीं माना जा सकता। उन्होंने सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सदस्यता का विस्तार करने और अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका जैसे कम-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को पर्याप्त जगह देने की बात कही। शांति मिशनों पर भारत का रुख दुनिया में सबसे ज्यादा सैनिक देने वाले देश के रूप में भारत ने शांति मिशनों में योगदान देने वाले देशों की राय को अहम बताया।

साथ उड़े सुखोई और फ्रेंच लड़ाकू विमान

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना फ्रांस में 16 से 27 नवंबर तक होने वाले गरुड़-25 द्विपक्षीय वायु अभ्यास में सुखोई-30 एमकेआई विमानों के साथ भाग ले रही है। सी-17 विमान लॉजिस्टिक समर्थन दे रहे हैं और आईएल-78 टैंकर रेंज बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने फ्रांस में शुरू हो रहे द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास गरुड़-25 में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। 16 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक चलने वाले इस संयुक्त अभ्यास में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई फ्रांस की एयर एंड स्पेस फोर्स के उन्नत मल्टीरोल लड़ाकू विमानों के साथ कई जटिल युद्ध स्थितियों का अभ्यास करेंगे। यह अभ्यास दोनों देशों की वायु क्षमताओं और सैन्य साझेदारी को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। इस 8वें संस्करण का मुख्य उद्देश्य वास्तविक युद्ध स्थितियों जैसे एयर-टू-एयर कॉम्बैट, एयर डिफेंस मिशन और संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशंस में समन्वय और तालमेल को मजबूत करना है। भारतीय वायुसेना ने बताया कि ऐसे अभ्यासों से न सिर्फ रणनीति और संचालन तकनीक में सुधार होता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों सेनाओं की इंटरऑपरेबिलिटी भी बढ़ती है। 'गरुड़-25' में भारत और फ्रांस अपने पायलटों, तकनीकी स्टाफ और संचालन विशेषज्ञों के बीच पेशेवर समन्वय को और बेहतर बनाएंगे। भारतीय वायुसेना का दल 10 नवंबर को फ्रांस पहुंच चुका है। अभ्यास के लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान मुख्य भूमिका में रहेंगे। उनकी लॉजिस्टिक और परिचालन जरूरतों के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर-ककक एयरलिफ्ट विमान का इस्तेमाल इंडक्शन और डी-इंडक्शन चरणों में किया जा रहा है। वहीं, आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर सुखोई विमानों की रेंज बढ़ाने और लंबे समय तक मिशन को जारी रखने में मदद करेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना
NER-LJN-2025-183

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है:– **ई–निविदा सं.: NER-LJN-2025-183; कार्य का नाम:** सहायक मण्डल इंजीनियर मैलानी के अधिकार क्षेत्र के फरदहन स्टेशन पर माल प्लेटफॉर्म, अप्रोच रोड, फेंसिंग के निर्माण का कार्य एवं अन्य विविध कार्य।; **अनुमानित लागत (₹):** ₹3,39,20,009.71; **अग्रिम धन (₹):** ₹3,19,600/-; **समापन अवधि:** 12 माह; **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2025-183** के लिए ई–निविदा दिनांक 09.12.2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्ल्यू–332 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

रूस का कीव पर भीषण हमला, कई इमारतें जलीं, आठ मौतें, 35 घायल

रूस (एजेंसी)। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर भीषण हमला किया है। देशभर में हुए भीषण हमले में 430 ड्रोन और 18 मिसाइलें दागी गईं। बमबारी के बाद मेट्रो स्टेशनों पर लोगों ने जान बचाने के लिए शरण ली। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हुए। रूस ने शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले किए। इसमें 8 मौतें हुईं और कीव के कई जिलों में आग की लपटें देखी गईं। इन इमारतों बिखरे मलबे में 35 लोग घायल हुए। कीव में सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने कहा, आपात दल ने जवाब दिए लेकिन राजधानी में होने वाली तबाही को रोका नहीं जा सका। रूस ने 430 ड्रोन व 18 मिसाइलें छोड़ीं यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, हमले में रूस ने 430 ड्रोन व 18 मिसाइलें छोड़ीं। देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा, यह सुनियोजित हमला लोगों और नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया। अकेले कीव में ही दर्जनों अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बिजली-पानी की आपूर्ति बाधित उन्होंने कहा कि इस्कंदर मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। शहर बिजली-पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है और हवाई सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय होने के बाद 15 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार रूसियों ने सूमी क्षेत्र में जिरकोन मिसाइल का इस्तेमाल किया। कड़े प्रतिबंधों और अतिरिक्त पश्चिमी सैन्य समर्थन की मांग जेलेंस्की ने कड़े प्रतिबंधों और अतिरिक्त पश्चिमी सैन्य समर्थन की मांग दोहराई।

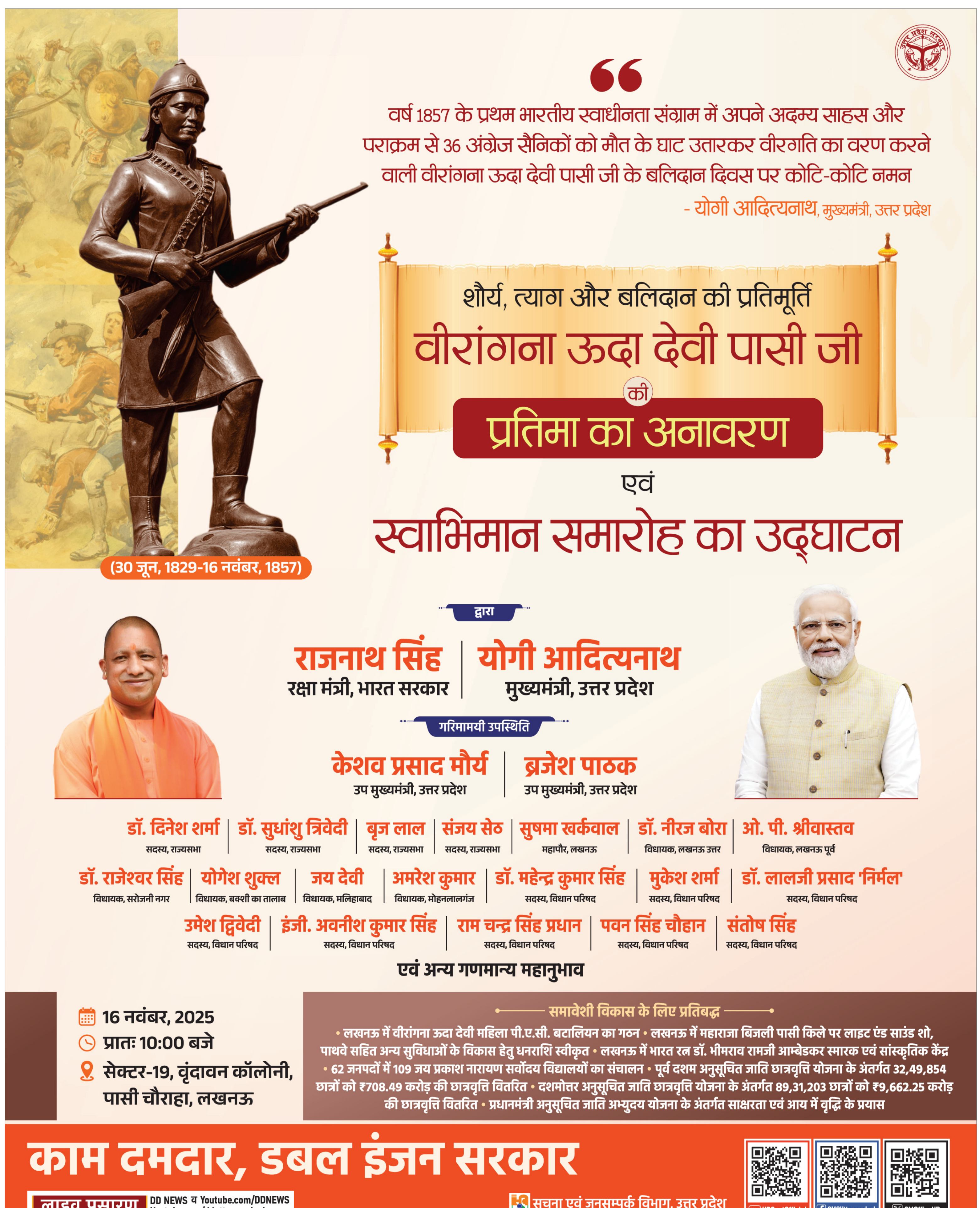

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।